



आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया



प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 144

प्रयागराज, सोमवार 21 सितम्बर, 2026

पृष्ठ- 8

मूल्य : 3.00 रुपये

अमेरिका ने मिडिल-ईस्ट में दूतावासों को अलर्ट किया, ट्रम्प छुट्टी खत्म होने से पहले व्हाइट हाउस लौटे, दावा- अमेरिकी विमान ब्रिटिश एयरबेस से रवाना हुए

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान। मिडिल-ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ता नजर आ रहा है। अमेरिका ने इलाके में मौजूद अपने दूतावासों और नागरिकों के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने लोगों से ज्यादा सतर्क रहने को कहा है। इसी बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपना कैप डेविड दौरा एक दिन पहले खत्म कर शनिवार शाम व्हाइट हाउस लौट आए। ट्रम्प की जल्दी वापसी की वजह व्हाइट हाउस ने नहीं बताई है। वहीं, रशिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी बी-1बी लॉन्गर बॉम्बर ने ब्रिटेन के आरएएफ फेयरफोर्ड एयरबेस से फुल आफ्टरबर्नर के साथ उड़ान भरते हुए मिडिल-ईस्ट की तरफ रवाना हुआ है। ईरान के प्रेस टीवी ने भी उत्तर-पूर्वी सीरिया के अल-हसकाह में खाराब अल-जिर एयरबेस के पास एयर डिफेंस एक्टिविटी की जानकारी दी है। 9 देशों में अमेरिकी नागरिकों को



अरब, ईरान, कतर, लेबनान, कुवैत और जॉर्डन में रह रहे अपने नागरिकों को सावधान रहने को कहा है। अमेरिका ने कहा कि मिडिल-ईस्ट में जारी संघर्ष तेजी से बढ़ सकता है। इसलिए इन देशों की यात्रा करने वाले

अमेरिकियों को भी सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

अमेरिकी नागरिकों से कहा गया है कि वे फ्लाइट और एयरपोर्ट से जुड़ी ताजा जानकारी देखते रहें। ईरान ने जंग खत्म करने के लिए 7 शर्तें रखीं- ईरान ने चल रही जंग खत्म करने के लिए अमेरिका के साथ ड्रोन भी भेजे। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

कहा है कि अगर अमेरिका ने उसकी मांगें नहीं मानी तो वह जंग जारी रखने के लिए तैयार है। ईरान के सुरक्षा प्रमुख मोहसिन रेजाई ने अल जजीरा से कहा कि कतर ने मध्यस्थ के तौर पर ईरान की शर्तें अमेरिका तक पहुंचा दी हैं। अब ईरान ट्रम्प के जवाब का इंतजार कर रहा है। रेजाई के मुताबिक, ईरान की मांगों में सभी मोर्चों पर युद्ध रोकना, विदेशों में फ्रीज किए गए ईरानी फंड जारी करना और नौसैनिक नाकाबंदी खत्म करना शामिल है। सऊदी बोला- हतियों ने रियाद पर मिसाइल हमले की कोशिश की-सऊदी अरब ने कहा कि हतियों ने उसकी राजधानी रियाद पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला करने की कोशिश की। सऊदी सेना के मुताबिक, उसने मिसाइलों को रास्ते में ही रोक दिया। हत्ती प्रवक्ता याह्या सरी ने कहा कि संगठन ने सऊदी अरब पर कई बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों के साथ ड्रोन भी भेजे। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

एआई की गलती से अमेरिका-चीन में हो जाती जंग, चीनी जहाज में परमाणु उपकरण होने की फेक खबर दी, हमले को तैयार थी अमेरिकी सेना

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चैटबॉट की गलती से चीन से जंग के करीब पहुंच गया था। ईरान युद्ध के दौरान अमेरिकी सेना को एक खुफिया रिपोर्ट मिली। इसमें दावा किया गया था कि मिडिल ईस्ट में मौजूद चीन का एक जहाज परमाणु हथियार कार्यक्रम से जुड़े उपकरण लेकर जा रहा है। रिपोर्ट को सही मानकर अमेरिकी सेना ने चीनी जहाज को रोकने और उस पर कब्जे की तैयारी शुरू कर दी। हथियारबंद सैनिक जहाज पर चढ़ने के लिए तैयार थे, जबकि अमेरिकी सैन्य विमान भी हवा में भेजे जा चुके थे। कार्रवाई से ठीक पहले एआई की गलती पकड़ी गई- सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारियों ने कार्रवाई शुरू करने से ठीक पहले खुफिया रिपोर्ट की दोबारा जांच की। इसी दौरान पता चला कि रिपोर्ट तैयार करने में एआई चैटबॉट की मदद ली गई थी और चैटबॉट ने जहाज में मौजूद

सामान की गलत पहचान की थी। दरअसल, अमेरिकी सेना के स्पेशल ऑपरेशंस कमांड के एक

जानकारी को मिलाकर गलत निष्कर्ष निकाला। उसने बताया कि जहाज में परमाणु हथियार

खुफिया रिपोर्ट में लिख दिया गया। यह रिपोर्ट अमेरिकी सेना के अधिकारियों तक पहुंची। अधिकारियों ने इसी रिपोर्ट के आधार पर चीनी जहाज वेग खिलाफ कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी। मामले से जुड़े एक अमेरिकी अधिकारी ने रिपोर्ट को पूरी तरह गलत बताया और कहा कि इस गलती से युद्ध लगभग शुरू हो गया था। यह अभी पता नहीं चला है कि अमेरिकी अधिकारी ने किस एआई का इस्तेमाल किया था। सीएनएन के मुताबिक, यह कोई आम चैटबॉट या अमेरिकी सरकार का अपना एआई टूल हो सकता है। यह भी साफ



अधिकारी ने चीनी जहाज के सामान की जानकारी एआई चैटबॉट में डाली थी। चैटबॉट ने अलग-अलग जगहों से मिली

बनाने से जुड़े उपकरण रखे हैं। एआई से मिली जानकारी, खुफिया रिपोर्ट में लिख दी-एआई ने जो जानकारी दी थी, उसे एक

नहीं हुआ कि चीनी जहाज में असल में कौन-सा सामान था। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

रिपोर्ट- इजराइली सेना में हथियार/सैनिक कम पड़े, 3 साल की जंग में टैंक भी घिसे, बोइंग से 12 अपाचे हेलिकॉप्टर की डील भी रुकी

तेल अवीव। इजराइल में सेना के पास कुछ हथियारों और सैनिकों की कमी हो गई है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट्स

से रुक गई हैं। इजराइली सेना 3 साल में 5 मोर्चे पर लड़ी- अक्टूबर 2023 में हमास के हमले के बाद इजराइल ने गाजा में सैन्य

है। इस मदद से इजराइल अमेरिका से लड़ाकू विमान, हथियार और दूसरे सैन्य उपकरण खरीद सकता है।

ट्रम्प ने कहा- अमेरिका में अब 'एआई फोर्स' बनेगी, ये एआई की निगरानी करेगी, 2019 में स्पेस फोर्स की भी घोषणा की थी

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शनिवार को नया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

न्याय व्यवस्था का इस्तेमाल किया जाएगा। ट्रम्प ने 2019 में स्पेस फोर्स बनाई थी। ट्रम्प ने लिखा, 'हम इस शानदार उद्योग

इसकी निगरानी करेंगे।' अमेरिका में एआई कंपनियों के खिलाफ केस- अमेरिका में एंथ्रोपिक, ओपनएआई, स्पेसएक्सएआई और गूगल के खिलाफ शनिवार को मुकदमा दायर हुआ है। इन कंपनियों पर एआई विकास की रफ्तार धीमी करने के लिए अवैध समझौते का आरोप है। इसमें कहा गया है कि कंपनियों ने एंटीट्रस्ट कानून तोड़े हैं। याचिका के मुताबिक, कंपनियों के बीच तालमेल से पैड एआई सब्सक्रिप्शन लेने वाले ग्राहकों को मिलने वाला लाभ कम हो सकता है। इससे पहले 12 सितंबर को एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोडेई ने एआई विकास धीमा करने और सुरक्षा उपाय बढ़ाने के लिए उद्योग-स्तरीय सहयोग की अपील की थी। इसके बाद ओपनएआई के सीईओ सैम ऑर्टमैन, स्पेसएक्सएआई के सीईओ एलन मस्क और गूगल डीपमाइंड के सह-संस्थापक व चेयर डेमिस हासाबिस ने उनके प्रस्ताव पर सहमति जताई। मुकदमे में कहा गया है कि एआई क्षेत्र के प्रमुख प्रतिद्वंद्वियों के बीच विकास की रफ्तार प्रतियोगिता से कम रखने का समझौता उपभोक्ताओं के खिलाफ प्रतिस्पर्धा-विरोधी असर डालता है।



सलाहकार नियुक्त करने की योजना के बारे में बताया। उन्होंने एक 'एआई फोर्स' बनाने का ऐलान किया। ट्रम्प ने टूथ सोशल पर यह जानकारी दी। उन्होंने दोनों योजनाओं के ढांचे और उन्हें लागू करने का तरीका नहीं बताया। यह ऐलान ऐसे समय हुआ है, जब अमेरिका और चीन एआई में बढ़त हासिल करने की होड़ में हैं। ट्रम्प की गुरुवार को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात होनी है। ट्रम्प ने कहा कि उनका प्रशासन एआई को बढ़ावा देगा। संभावित गलत कामों से निपटने के लिए मौजूदा अपराधिक और सिविल

की ग्रोथ को किसी भी तरह नहीं रोकेंगे या दबाएंगे। इसके बजाय, हम इसे महत्व देंगे, मदद करेंगे और इसके बढ़ने पर नजर रखेंगे।' ट्रम्प ने कहा हम एआई इंडस्ट्री को खत्म नहीं करना चाहते-ट्रम्प ने एआई और डेटा सेंटर के आलोचकों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उदारवादी लोग इस इंडस्ट्री को 'खत्म' करना चाहते हैं। ट्रम्प ने लिखा, 'अमेरिका के राष्ट्रपति के तौर पर मैं ऐसा नहीं होने दूंगा।' उन्होंने आगे लिखा, 'हम किसी भी तरह इस शानदार इंडस्ट्री के विकास में रुकावट नहीं डालेंगे। हम इसे बढ़ने में मदद करेंगे और

पाक में सेना और आतंकियों की मुठभेड़, 20 घंटे गोलीबारी, 8 आतंकी हलाक़, विस्फोटक लदी कार लेकर मस्जिद में घुसे थे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के कोहाट में सेना और उग्रवादियों के बीच 20 घंटे तक मुठभेड़ चली। शनिवार को प्रात की पुलिस ने बताया कि ऑपरेशन में 8 उग्रवादी मारे गए और इसके साथ ही मुठभेड़ खत्म हो गई। ये वही उग्रवादी थे, जिन्होंने एक दिन पहले विस्फोटकों से भरी कार पुलिस परिसर की मस्जिद के गेट से भिड़ा दी थी और फिर गोलीबारी शुरू कर दी थी। इस हमले में अब तक 31 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें 16 पुलिसकर्मी हैं। 100 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। मस्जिद में नमाज के दौरान धमाका, दीवारें गिरी-शुक्रवार दोपहर पुलिसकर्मी और उनके परिवार के लोग परिसर के अंदर बनी मस्जिद में नमाज पढ़ रहे थे। इसी दौरान हमलावर विस्फोटकों से भरी कार लेकर पहुंचे और उसे मस्जिद की दीवार से टकरा दिया। तेज धमाके के बाद कुछ हमलावरों ने परिसर में घुसकर पुलिस और सुरक्षाबलों पर गोलीबारी शुरू कर दी। धमाके से मस्जिद की दीवारें गिर गई और कई लोग मलबे में दब गए। घटनास्थल की तस्वीरों में

बड़ी संख्या में ईंट-पत्थर और टूटी दीवारें दिखाई दीं। पुलिस परिसर में ही कई अहम यूनिट के दफ्तर, हमले की जगह कोहाट का ओल्ड पुलिस लाइंस परिसर था। यह सामान्य पुलिस चौकी नहीं, बल्कि



जिला स्तर का बड़ा पुलिस मुख्यालय है। यहां काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट, स्पेशल ब्रांच और पुलिस की दूसरी इकाइयों के दफ्तर हैं। हमले के बाद कुछ हमलावर परिसर की स्पेशल ब्रांच की इमारत में छिप गए थे। पुलिस और उनके बीच रात में भी गोलीबारी हुई। हमले के बाद सुरक्षा कारणों से कोहाट-हंगू रोड को भी बंद कर दिया गया था। हमले की जिम्मेदारी इस्तेहाद-उल-मुजाहिदीन ने ली- हमले की जिम्मेदारी इस्तेहाद-उल-मुजाहिदीन पाकिस्तान ने ली है। यह संगठन अप्रैल 2025 में बना था और इसे

अलग-अलग उग्रवादी गुटों के छाता गठबंधन के तौर पर देखा जाता है। इसमें हाफिज गुल बहादुर गुप, हरकत इंकलाब-ए-इस्लामी पाकिस्तान और लश्कर-ए-इस्लाम शामिल हैं। आईएमपी की खास तौर पर खैबर पख्तूनख्वा में सक्रियता रही है। इस गठबंधन में हाफिज गुल बहादुर से जुड़ा गुट एचजीबीजी सबसे अनुभवी और प्रभावशाली गुट माना जाता है। एचजीबीजी एक देवबंदी उग्रवादी गुट है, जो उत्तरी वजीरिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा के आसपास के इलाकों में एक्टिव है। इसकी कमान पश्तून नेता हाफिज गुल बहादुर के हाथ में है। वह अफगान तालिबान और हक्कानी नेटवर्क से जुड़ा रहा है। पाकिस्तान में इस साल 990 आतंकी हमले हुए-पाकिस्तान में इस साल आतंकी घटनाओं में तेजी आई है। पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज (पीआईसीएसए) के मुताबिक, जनवरी से अगस्त 2026 तक पूरे पाकिस्तान में 990 मिलिटेंट हमले दर्ज किए गए। इनमें 1126 लोगों की जान चली गई। अगस्त में सबसे ज्यादा 199, जबकि जुलाई में 144

हमले दर्ज किए गए थे। यानी एक महीने में 38फीसदी बढ़ोतरी। इनमें अगस्त में 158 लोगों की मौत हुई, जबकि जुलाई में हमलों से जुड़ी 268 मौतें दर्ज की गई थीं। ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स में पाकिस्तान दूसरे नंबर पर- ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स 2025 के मुताबिक, बुर्किना फासो के बाद पाकिस्तान दुनिया का दूसरा सबसे आतंक प्रभावित देश बन चुका है, जबकि 2024 में यह चौथे स्थान पर था। 2025 में टीटीपी के हमले 90फीसदी बढ़े, जबकि बलूच आर्मी (बीएलए) के हमलों में 60फीसदी बढ़ोतरी हुई। इस्लामिक स्टेट- खुरासान (आईएस-के) ने अब पाकिस्तानी शहरों को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान सबसे ज्यादा आतंक प्रभावित इलाके हैं। देशभर की कुल आतंकी घटनाओं में से 90फीसदी इसी इलाके में हुई। रिपोर्ट में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान को लगातार दूसरे साल पाकिस्तान का सबसे खतरनाक आतंकवादी संगठन बताया गया। 2024 में इस ग्रुप ने 482 हमले किए, जिसकी वजह से 558 मौतें हुई थीं, जो 2023 के मुकाबले 91फीसदी ज्यादा हैं।

पाक का विदेशी मुद्रा भंडार 3 साल में 7 गुना, 3 से 26 अरब डॉलर पहुंचा, इसमें कमाई कम, कर्ज ज्यादा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार पिछले 3 साल में करीब 7 गुना बढ़कर 26.79



अरब डॉलर पहुंच गया है। जनवरी 2023 में पाकिस्तान के पास डॉलर की भारी कमी थी। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) का रिजर्व सिर्फ 3.08 अरब डॉलर रह गया था। अब 11 सितंबर 2026 तक एसबीपी के पास विदेशी मुद्रा भंडार 21.39 अरब डॉलर पहुंच गया है। यह ढ़ँके इतिहास का सबसे ऊंचा स्तर है। एसबीपी के साथ दूसरे बैंकों के पास मौजूद विदेशी मुद्रा को जोड़ने पर पाकिस्तान का कुल रिजर्व 26.79 अरब डॉलर हो गया है। हालांकि, इस बढ़ोतरी में पाकिस्तान की कमाई से ज्यादा विदेशी कर्ज और बाहरी

फंड की भूमिका है। शहबाज बोले- रिजर्व बढ़ना आर्थिक नीतियों की सफलता-प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने विदेशी मुद्रा भंडार के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने पर वित्त मंत्री मोहम्मद औरंगजेब, स्टेट बैंक के गवर्नर जमील अहमद और अपनी आर्थिक टीम की तारीफ की। उन्होंने विदेशों में रहने वाले

पाकिस्तानियों को भी इस उपलब्धि में योगदान के लिए धन्यवाद दिया। शहबाज ने कहा कि स्टेट बैंक के पास रिकॉर्ड विदेशी मुद्रा भंडार सरकार की आर्थिक टीम की लगातार मेहनत का नतीजा है। उन्होंने इसे इस बात का संकेत बताया कि सरकार की आर्थिक नीतियां सही दिशा में आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान के अंतरराष्ट्रीय पूंजी बाजार में दोबारा लौटने से दुनिया के निवेशकों का भरोसा उसकी अर्थव्यवस्था पर बढ़ रहा है। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

रियाद एयरपोर्ट के पास दिखा काला धुआं, हूती विद्रोहियों ने बैलिस्टिक मिसाइल से किया हमला, सऊदी की राजधानी में जारी हुआ रेड अलर्ट

रियाद। सऊदी अरब की राजधानी रियाद में शनिवार को किंग खालिद इंटरनेशनल

चाहता रहा है कि उसके बॉर्डर पर शांति रहे। लेकिन हतियों के पास भारी हथियार, मिसाइलों



एयरपोर्ट के पास आग और काले धुएं का बड़ा गुबार दिखा। सऊदी ने पुष्टि की है कि यमन के हूती विद्रोहियों ने शनिवार सुबह राजधानी रियाद पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला करने की कोशिश की। लेकिन उन्होंने मिसाइल को रास्ते में ही रोक दिया गया। फ्लाइट ट्रैकिंग डेटा

और लड़ाकू ड्रोन आ गए हैं। सऊदी सरकार को लगता है कि अगर उसके ठीक बगल में इतना आक्रामक गुट रहेगा, तो उसकी अपनी सुरक्षा कभी पक्की नहीं हो सकती। हतियों से सऊदी को अकेले लड़ना पड़ सकता है- पिछले हफ्ते हतियों ने यमन के पश्चिमी हिस्से में लाल सागर



के किनारे का बड़ा इलाका अपने कब्जे में ले लिया। सऊदी अरब को उम्मीद थी कि अमेरिका उसके साथ खड़ा होगा। लेकिन अमेरिका ने अब तक हतियों के खिलाफ सऊदी के समर्थन में कोई सीधी सैन्य

के मुताबिक, कई उड़ानों में काफी देरी हुई और कुछ उड़ानें रद्द की गईं। आग और धमाकों की वजह अभी साफ नहीं है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एयरपोर्ट के पास एक पन्यूल टैंक में आग लग गई थी। हालांकि, आग लगने और धमाकों की वजह स्पष्ट नहीं है। सऊदी और हूती विद्रोहियों के बीच संघर्ष जारी-हतियों ने कहा था कि लाल सागर में सऊदी के जहाजों और सऊदी का तेल ले जाने वाले जहाजों को वे अब भी टारगेट करेंगे। हतियों की दलील है कि यमन पर सऊदी अरब की नाकेबंदी और सैन्य कार्रवाई के चलते उसके जहाजों को निशाना बनाना उनका अधिकार है। सऊदी अरब और हूती लड़ाकों के बीच यह जंग असल में ताकत, सुरक्षा और इलाके में अपने दबदबे की लड़ाई है। हूती यमन की सत्ता पर पूरा कब्जा चाहते हैं, जबकि सऊदी अरब अपने पड़ोस में किसी भी ऐसे हथियारबंद गुट को बर्दाश्त नहीं करना चाहता। सऊदी अरब और यमन की सीमा आपस में सटी हुई है। सऊदी हमेशा से

कार्रवाई नहीं की है। अमेरिका ने जरूर कहा है कि हतियों की गतिविधियां बाब अल-मदब स्टेट से जहाजों की आवाजाही के लिए खतरा हैं। अमेरिका पहले से ईरान के साथ संघर्ष में उलझा हुआ है। ईरान हतियों का समर्थन करता है। ऐसे में अगर अमेरिका यमन में सीधे उतरता है तो उस पर एक और सैन्य मोर्चे का दबाव बढ़ सकता है। यमन में 500 से ज्यादा सरकारी लड़ाके मारे गए-यमन में हतियों के खिलाफ लड़ाई में पिछले चार हफ्तों में सरकार समर्थित 500 से ज्यादा लड़ाके मारे गए हैं। सरकार के समर्थन में लड़ने वाली नेशनल रेजिस्टेंस फोर्स ने यह दावा किया है। संगठन के मुताबिक, इसी दौरान होदेदा और ताइज प्रांतों के बीच यह जंग हूती लड़ाके भी मारे गए। हतियों ने इस पर प्रतिक्रिया नहीं दी है। इस बीच यमन सरकार ने लाल सागर के तट पर और सैनिक भेजने का फैसला किया है। सरकार के एक अधिकारी ने पिछले हफ्ते की हार को स्वीकार करते हुए कहा कि सरकारी बल फिर से इलाके में लौटेंगे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत 25 टीबी मरीजों को लिया गोद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित ‘सेवा संकल्प

कि टीबी मुक्त जनपद के लक्ष्य को हासिल करने में हर व्यक्ति अपनी भूमिका निभा सकता है। टीबी मुक्त मोबाइल एप्लिकेशन



प्रभारी मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ॰ मनोज कुमार शुक्ला

अभियान’ के तहत जनपद रायबरेली में टीबी उन्मूलन अभियान को जनभागीदारी से जोड़ते हुए महत्वपूर्ण पहल की गई। इस क्रम में बिड़ला कार्पोरेशन लिमिटेड (सीमेंट डिवीजन) रायबरेली द्वारा कुल 25 टीबी रोगियों को गोद लिया गया। प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनोज कुमार शुक्ला ने बताया कि टीबी के इलाज में नियमित रूप से दवाओं का सेवन जितना जरूरी है उतना ही जरूरी प्रोटीनयुक्त पौष्टिक भोजन का सेवन करना है। निःक्षय मित्र गोद लिए गए मरीजों को पोषणात्मक सहयोग, इलाज जारी रखने के लिए प्रोत्साहन, आवश्यक परामर्श और भावनात्मक सहयोग उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि ‘सेवा संकल्प अभियान’ के माध्यम से समाज के लोग टीबी मरीजों के साथ खड़े होकर टीबी उन्मूलन अभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर रहे हैं। प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने आमजन मानस से निःक्षय मित्र बनने की अपील करते हुए कहा

के माध्यम से निःक्षय मित्र बना जा सकता है। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. अनुपम सिंह ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा टीबी मरीजों की पहचान, जांच और इलाज के साथ उन्हें उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बिड़ला कार्पोरेशन लिमिटेड (सीमेंट डिवीजन) रायबरेली द्वारा 17 सितंबर को 25 टीबी मरीजों को गोद लिया गया। गोद लिए गए मरीजों को पोषण सहयोग के रूप में पोषण पोटली भी वितरित की गई, जिसमें चना,गुड़, सोयाबीन बड़ी, दाल सहित अन्य पौष्टिक खाद्य सामग्री शामिल थी। जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी डी.एस.अस्थाना ने बताया कि ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत 17 सितंबर से अब तक 3 निःक्षय मित्र टीबी उन्मून अभियान से जुड़े हैं। इस सहयोग का उद्देश्य मरीजों को उपचार के दौरान पोषण संबंधी सहायता उपलब्ध कराना और उन्हें यह भरोसा दिलाना है कि उपचार की इस यात्रा में वे अकेले नहीं हैं।

बड़ी भव्यता के साथ राधा रानी का जन्मोत्सव मनाया गया, 51 बार मयूरेश स्तोत्र का किया गया पाठ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। बाबा जगमोहनेश्वर

राहुल, किरण, राजू दीक्षित, महेश सिकरिया, हरिशंकर शुक्ला



धाम चंदापुर मंदिर में आज दिन शनिवार भाद्र शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि पर गणपत भगवान का पूजन अर्चन किया गया। सर्वप्रथम मुख्य यजमान दिलीप

अखिलेश द्विवेदी आदि द्वारा सामूहिक आरती सम्पन्न हुई। व्यवस्था प्रभारी धर्मैंद्र श्रीवास्तव ने आरती का शुभारंभ किया। मंदू शुक्ला ने बताया कि भाद्र मास की शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि पर अपराह्न राधा रानी का जन्म मथुरा से लगभग 50 किलोमीटर दूर रावल ग्राम में हुआ था किन्तु राधा रानी बारसाना में आकर बस गई थी। गत 15 दिन पूर्व

द्विवेदी, डॉ विजय मिश्रा, एवं चित्रा पंडे ने गणेश जी को दूध, दही, घी, शहद, शक्कर से स्नान कराया। इसके बाद गणेश जी को दुर्वा की माला, मखाना की माला एवं कमल फूल की माला समर्पित की गई तथा मोदक, लड्डू, केला , कैंथा, समर्पित किया गया। आचार्य पंडित अभिषेक मिश्रा के द्वारा 51 बार मयूरेश स्तोत्र का पाठ संपन्न कराया गया । मंदू शुक्ला, श्रीमती शिशिर शुक्ला, कृष्णकांत त्रिपाठी, रवि सोनी,

दिनांक 4 सितंबर को भाद्र मास की कृष्ण पक्ष की अष्टमी को रात्रि 12:00 बजे लड्डू गोपाल जी का जन्म हुआ और ठीक 15 दिन बाद 19 सितंबर को राधा रानी का जन्मदिन मनाया जाता है, जो राधा अष्टमी के नाम से प्रसिद्ध है। इस अवसर पर कढ़ी चावल एवं पंचामृत तथा जलेबी प्रसाद का वितरण किया गया।अपार जनसमूह मंदिर प्रांगण में उपस्थित होकर गणपत भप्पा मोरिया के जयकारों से पूरा मंदिर परिसर गुंज उठा।

संजय निषाद में एससी में निषादों को शामिल करने की किया मांग, 40 साल में भाजपा जहां का वोट से हार रही है वह सेट निषाद पार्टी को दें

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। निषाद पार्टी के अध्यक्ष और यूपी सरकार में

लेकर बैठक करने की बात हुई है। उन्होंने कहा कि जिन मुद्दों को उन्होंने उठाया, उन्हें लिखकर

जातीय हिस्सेदारी को लेकर भी दावा किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में करीब 28 लाख



मंत्री संजय निषाद ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सीट बंटवारे पर अपनी पार्टी का दावा सामने रखा है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी को केवल सीट मांगने वाली पार्टी के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनकी कोशिश उन सीटों पर जीत दिलाने की है, जहां भाजपा लंबे समय से कम वोटों के अंतर से हारती रही है। संजय निषाद ने कहा कि जिन सीटों पर निषाद समाज की संख्या अधिक है और भाजपा करीब 40 साल से जीत नहीं पाई है, ऐसी सीटें निषाद पार्टी को दी जानी चाहिए। संजय निषाद ने कहा, हम तो एक ही बात कहेंगे कि जहां कम, वहां हम। अगर भाजपा किसी सीट पर कम वोटों से हार रही है तो सहयोगी दल उस कमी को पूरा कर जीत में बदलने का प्रयास कर सकते हैं। जहां हार रहे हैं, वह सीटें हमें दें- संजय निषाद ने कहा कि पिछली बार भाजपा ने निषाद पार्टी को 16 सीटें दी थीं, जिनमें 11 सीटों पर जीत मिली। उन्होंने इसी आधार पर आगे भी ऐसी सीटों पर मौका देने की मांग की है, जहां निषाद समाज की संख्या ज्यादा है और भाजपा लंबे समय से चुनाव हार रही है। उन्होंने कहा कि हारी बड़ेगी और उन सीटों को जीत में बदलने की कोशिश की जा सकेगी। भाजपा के यूपी प्रभारी विनोद तावड़े से मुलाकात को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा कि उनके बीच राजनीतिक चर्चा नहीं हुई। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने घर चाय पर आने का निमंत्रण दिया था और इसी क्रम में वह उनके घर आए। मुलाकात में सामाजिक विषयों पर चर्चा हुई। राजनीतिक मुद्दों पर विस्तार से बातचीत के लिए दिल्ली और लखनऊ में समय

भी दिया गया और तावड़े ने उसे नोट किया। सीट बंटवारे को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि उनकी पार्टी को केवल सीट मांगने वाली पार्टी के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनकी कोशिश उन सीटों पर जीत दिलाने की है, जहां भाजपा लंबे समय से कमजोर प्रदर्शन करती रही है। उन्होंने कहा कि अगर किसी सीट पर भाजपा कम वोटों से हार रही है और वहां निषाद समाज की संख्या पर्याप्त है, तो उस सीट पर निषाद पार्टी को चुनाव लड़ने का अवसर दिया जाना चाहिए। अब जातियां पहले की तरह थोड़ा नहीं खाएंगी- संजय निषाद ने निषाद समेत विभिन्न जातीय समूहों की राजनीतिक भागीदारी को लेकर भी बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक जातियां राजनीतिक रूप से निष्क्रिय रहीं, लेकिन अब वे अपने हितों को लेकर ज्यादा जागरूक हैं। उन्होंने कहा कि पहले चुनाव के दौरान अलग-अलग तरीकों से वोट हासिल किए जाते थे, लेकिन अब इन समुदायों ने अपनी राजनीतिक पार्टियां बनानी शुरू कर दी हैं। कहा कि समाज अब अपने राजनीतिक प्रतिनिधित्व और हिस्सेदारी को लेकर सवाल कर रहा है। निषाद समाज वे आरक्षण के मुद्दे पर कहा कि वह चाहते हैं कि निषादों को ओबीसी की सूची से हटाकर अनुसूचित जाति की सूची में शामिल किया जाए और उन्हें संबंधित प्रमाणपत्र जारी किया जाए। जिन जातियों को नौकरियों और अवसरों में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिला है, उन्हें अवसर दिया जाना चाहिए। सरकारी नौकरियों के आंकड़ों को लेकर भी दावा-संजय निषाद ने उत्तर प्रदेश की सरकारी नौकरियों में विभिन्न राजनीतिक दलों के शासनकाल के दौरान

नौकरियों के आंकड़े के संदर्भ में अलग-अलग समुदायों के कब्जे की बात सामने आती है। उन्होंने दावा किया कि पिछली सरकारों वे दौरान लुप्त प्रभावशाली जातीय समूहों को सरकारी नौकरियों में ज्यादा प्रतिनिधित्व मिला। संत कबीर नगर में सपा सांसद की गाड़ी पर हुए हमले के मामले में कहा, उन्होंने डीएम से शिकायत की और सांसद से भी फोन पर बात की। उन्होंने कहा कि उन्होंने प्रशासन को स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी स्थिति में जातीय संघर्ष नहीं होना चाहिए। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय से मुलाकात को लेकर पूछे गए सवाल पर संजय निषाद ने कहा कि वह बीमार थे और अस्पताल से बाहर आने के बाद उन्होंने उनका हालचाल लिया। कहा कि वह उनके परिचित और प्रमुख राजनीतिक नेता हैं। किसी के बीमार होने पर उसका हालचाल लेना भारतीय संस्कृति का हिस्सा है। यह पूछे जाने पर कि निषाद पार्टी कितनी हारी हुई सीटों पर दावा कर रही है, संजय निषाद ने स्पष्ट संख्या बताने से इनकार किया। उन्होंने कहा कि सीटों का बंटवारा दोनों दलों के बीच चर्चा से तय होने वाला गोपनीय विषय है। उन्होंने कहा कि सीट तय करते समय यह देखा जाता है कि संबंधित सीट पर हार का अंतर किनना था, वहां निषाद समाज की संख्या कितनी है और संगठन कितना मजबूत है। हाल ही में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नीला गमछा पहनने के सवाल पर बोले, यही गलती उन्हें हुआ रही है। यही उनके सलाहकार हैं। राजनीतिक दलों को अपनी विचारधारा और अपने काम का प्रचार करना चाहिए। रंग बदलना, नाम बदलना, यही बदलाव नुकसान पहुंचाता है।

नोएडा लोक मंच ने नौ विशिष्ट हिंदी सेवियों को ‘हिंदी प्रहरी सम्मान-2026’ से किया सम्मानित,कविता, साहित्य और हास्य-व्यंग्य से गुंजा नोएडा पब्लिक लाइब्रेरी का सभागार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। हिंदी सिर्फ भाषा नहीं, संस्कार है और अपनी जड़ों से जुड़ने का माध्यम है।’ इसी भाव के साथ हिंदी पखवाड़े के अवसर पर शनिवार को सेक्टर-15 स्थित नोएडा पब्लिक लाइब्रेरी में

संस्कृति संवर्धक एवं समाजसेविका), श्री कपिल कुमार (प्रवासी कवि एवं साहित्यकार, बेल्जियम)शामिल रहे। सभी विभूतियों को सम्मान-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के प्रथम सत्र का



नोएडा लोक मंच के सांस्कृतिक प्रकल्प ‘पहला कदम’ द्वारा सम्मान समारोह एवं भव्य काव्य-गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हिंदी भाषा, साहित्य, पत्रकारिता, शिक्षा, कविता एवं कला-संस्कृति के क्षेत्र में लंबे समय से उल्लेखनीय योगदान देने वाले नौ विशिष्ट हिंदी सेवियों को ‘हिंदी प्रहरी सम्मान-2026’ से सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाली विभूतियों में प्रो. लल्लन प्रसाद (वरिष्ठ कवि एवं शिक्षाविद्), डॉ. राम शरण गाँड़ (वरिष्ठ साहित्यकार), श्री बाबा कानपुरी (सुप्रसिद्ध हास्य कवि), डॉ. अशोक मधुप (वरिष्ठ गीतकार), श्री विनोद शर्मा (वरिष्ठ पत्रकार एवं कवि), डॉ. ब्रज गोपाल सिंह (शिक्षाविद् एवं साहित्यकार), श्री लाल सिंह (वरिष्ठ पत्रकार), श्रीमती सपना दत्ता (कवयित्री एवं संचालिका)। तथा श्रीमती राजेश्वरी त्यागराजन (कला एवं

संचालन कवि विनोद पाण्डेय ने किया, जबकि द्वितीय सत्र का संचालन बी. जी. सिंह ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नोएडा के पूर्व जिलाधिकारी एवं साहित्यकार एन. पी. सिंह रहे। इस अवसर पर पूर्व एडीएम सी. बी. तिवारी तथा नोएडा लोक मंच की कोषाध्यक्ष विभा बंसल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। अपने संबोधन में वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान तकनीकी दौर में हिंदी भाषा, साहित्य और संस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाना एक महत्वपूर्ण चुनौती है। हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, संस्कार और साहित्यिक विरासत की पहचान है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से हिंदी के प्रति नई पीढ़ी में रुचि और सम्मान की भावना को मजबूत किया जा सकता है।।काव्य-गोष्ठी ने बांधा सां-सम्मान समारोह के पश्चात आयोजित काव्य-गोष्ठी में कवियों

ने अपनी रचनाओं के माध्यम से सभागार को हास्य, व्यंग्य, श्रृंगार और साहित्यिक भावों से सराबोर कर दिया। कवियों की प्रस्तुतियों पर श्रोताओं ने जमकर तालियां बजाई और देर तक पूरा सभागार हिंदी की कविताओं और साहित्यिक अभिव्यक्तियों से गुंजता रहा। इस अवसर पर नोएडा लोक मंच के महासचिव महेश सक्सेना ने कहा- ‘हिंदी का सम्मान केवल एक भाषा का सम्मान नहीं, बल्कि अपनी संस्कृति, संस्कार, साहित्यिक विरासत और अपनी जड़ों का सम्मान है। हिंदी के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले वरिष्ठ साहित्यकारों एवं संस्कृति सेवियों का सम्मान करना नोएडा लोक मंच के लिए गौरव का विषय है।’ उन्होंने कहा कि नोएडा लोक मंच भविष्य में भी हिंदी, साहित्य, संस्कृति एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित करता रहेगा। कार्यक्रम में विशेष उपस्थिति में एन पी सिंह, अरुण चंद्र राय तथा, कार्यक्रम में करण बंसल, प्रविंद्र शर्मा, अशोक पंडे, अजय कुमार तिवारी, ब्रजेश सिंह, अभ्रय आनंद, सतीश यादव, जयवीर सिंह, सौरभ यादव, रोहित, भावेश चौहान, डी. पी. ठाकुर, संतोष ठाकुर, एस. एन. मिश्रा, सुरेश अग्रवाल एवं वीरेंद्र मल्लिक सहित नोएडा लोक मंच परिवार के अन्य सदस्य, साहित्यप्रेमी, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन ‘हिंदी का सम्मान करें, हिंदी को समृद्ध करें और हिंदी के प्रहरी बनें’ के संकल्प के साथ हुआ।

श्री गांधी धर्मशाला समिति ने सेवा संकल्प के रूप में मनाया प्रधानमंत्री का जन्मदिवस,महिला चिकित्सालय को उपलब्ध कराई गई 15 व्हीलचेयर प्रदान प्राथमिक विद्यालय में सीमेंटेड बेंच उपलब्ध कराने की भी की गई घोषणा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। प्रधानमंत्री के

बताया कि श्री गांधी धर्मशाला प्रबंध समिति द्वारा प्रत्येक वर्ष

द्वारा कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका



जन्मदिवस के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान

सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए विभिन्न जनोपयोगी

का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। वहीं अभिषेक



के अंतर्गत श्री गांधी धर्मशाला प्रबंध समिति द्वारा सामाजिक सेवा एवं जनहित का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका के कर-कमलों द्वारा महिला चिकित्सालय, रायबरेली को मरीजों एवं तीमारदारों की सुविधा के लिए 15 व्हीलचेयर प्रदान की गई। कार्यक्रम संयोजक अतुल कुमार गुप्ता ने

संस्थाओं को आवश्यकतानुसार सहयोग प्रदान किया जाता है, जिससे अधिक से अधिक आमजन को लाभ मिल सके। इसी क्रम में महिला चिकित्सालय की आवश्यकता को देखते हुए आज व्हीलचेयर उपलब्ध कराई गई हैं। इस अवसर पर प्रबंधन मंत्री सोम प्रकाश अग्रवाल, उप मंत्री उमेश अग्रवाल, सरदार जोगिंदर सिंह एवं संजय बंसल

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत समिति द्वारा प्राथमिक विद्यालय में विद्यार्थियों की सुविधा के लिए सीमेंटेड बेंच भी उपलब्ध कराई जाएंगी। कार्यक्रम में विनोद कपूर, मुनीश्वर द्विवेदी, प्रदीप अग्रवाल, डॉ. अतुल अग्रवाल, अशोक सिंह, सत्येंद्र कुमार सहित समिति के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

डीएम ने कौशल विकास मिशन के अन्तर्गत जनपद में संचालित निजी एवं राजकीय प्रशिक्षण प्रदाताओं की प्रगति की समीक्षा की

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी

(डीडीयूजीकेवाई) की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने राजकीय

अप्रेन्टिशिप प्रमोशन स्कीम के अन्तर्गत 29 या उससे अधिक



सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार

एवं अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों में संचालित प्रोजेक्ट

कर्मचारियों वाली सभी इकाइयों को योजना से जोड़कर अधिक से अधिक युवाओं को अप्रेन्टिशिप का लाभ दिलाने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने इण्डिया स्किल कॉम्पटीशन-2026 के अन्तर्गत आईटीआई , पालीटेक्निक, फिनरोज गांधी इंजीनियरिंग कॉलेज, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फौशन टेक्नोलॉजी (निफ्ट) सहित अन्य तकनीकी संस्थानों को अधिक से अधिक कुशल अभ्यर्थियों का

में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के अन्तर्गत जनपद में संचालित निजी एवं राजकीय प्रशिक्षण प्रदाताओं की प्रगति की सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने एसएसडीएफ योजना के अन्तर्गत प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके प्रशिक्षणार्थियों का मूल्यांकन कराए जाने के लिए शासन की पत्र प्रेषित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में जनपद में स्थापित (एसएसडीएफ), प्रोजेक्ट प्रवीण एवं दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना

प्रवीण योजना की विद्यालयवार जानकारी लेते हुए निर्धारित कौशल विकास कक्षाओं का नियमित रूप से संचालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने एसएसडीएफ योजना के अन्तर्गत प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके प्रशिक्षणार्थियों का मूल्यांकन कराए जाने के लिए शासन की पत्र प्रेषित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में जनपद में स्थापित (एसएसडीएफ), प्रोजेक्ट प्रवीण एवं दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण योजना

के युवा जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की कौशल प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। बैठक में राजकीय एवं निजी प्रशिक्षण प्रदाता, राजकीय आईटीआई के प्रधानाचार्य, जिला सेवायोजन अधिकारी, पालीटेक्निक के प्रधानाचार्य, निफ्ट के पदाधिकारी, एमआईएस प्रबंधक, जिला कार्यक्रम प्रबंधक सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सेक्टर-63 में गुंजा ‘भगवान विश्वकर्मा जी की जय’ का जयघोष, श्रद्धा और उत्साह से संपन्न हुआ पूजा समारोह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। श्री विश्वकर्मा सेवा न्यास (रजि.) की ओर से सेक्टर-63 के जे-19 पार्क में आयोजित दो

जी के अंगवस्त्र से सम्मान किया गया। एनसीआर हलचल न्यूज की टीम के अनिल शर्मा, राजेश राय, जोगिंदर शर्मा एवं सोमवीर



दिवसीय विश्वकर्मा पूजा समारोह-2026 श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं ने भगवान विश्वकर्मा जी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। समारोह में नोएडा विधायक प्रतिनिधि अनिल सिंह, वरिष्ठ पत्रकार स्वास्तिक सहारा के ब्यूरो चीफ प्रफुल्ल पाण्डेय, हरीकिशोर, राजेश राय, मनोज उपाध्याय, सुमेर सिंह एवं सोमवीर सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। वरिष्ठ पत्रकार प्रफुल्ल पाण्डेय ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा जी सृजन, निर्माण, कर्म और कौशल के प्रतीक हैं। उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज में सेवा, समर्पण और आपसी भाईचारे को मजबूत करना हम सभी की जिम्मेदारी है। ऐसे आयोजन समाज को एकजुट करने के साथ संस्कृति और परंपराओं को आगे बढ़ाने का कार्य करते हैं। वहीं भजन संध्या में सीमा शर्मा एवं पामी शर्मा ने भक्तिमय प्रस्तुतियां दीं। अतिथियों का भगवान विश्वकर्मा

ने विशेष कवरेज की। आयोजन में महासचिव दीपक कुमार शर्मा, सचिव कमलेश शर्मा, ललन शर्मा, संतोष शर्मा, अध्यक्ष धर्मेन्द्र शर्मा, बटेश्वर शर्मा, जवाहर शर्मा, कोषाध्यक्ष राजू शर्मा, दामोदर शर्मा, उपाध्यक्ष रस बिहारी शर्मा, बंगाली शर्मा, अरुण शर्मा (फरीदाबाद), अरुण शर्मा (नोएडा), सलाहकार मनोज शर्मा, सत्य प्रकाश शर्मा, प्रदीप शर्मा, डॉ. डी.एन. शर्मा, मीडिया प्रभारी अनिल शर्मा, योगेंद्र शर्मा सहित यमुना शर्मा, दीपेश शर्मा, डॉ. बिजजू शर्मा, गौरव शर्मा, शिवागल शर्मा, धर्मेन्द्र, उपेंद्र शर्मा, छोटेलाल विश्वकर्मा, विनोद शर्मा, राजेश, महादेव ठाकुर, राजेश गुप्ता, सत्यनारायण शर्मा, शैलेश शर्मा, अरुण शर्मा एवं इंद्रजीत शर्मा का सहयोग रहा। मुख्य आयोजनकर्ता संतोष शर्मा, अरुण शर्मा एवं अनिल शर्मा ने सभी अतिथियों और श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। भंडारे और भगवान विश्वकर्मा जी की प्रतिमा के विसर्जन के साथ समारोह का समापन हुआ।

आईएमएस नोएडा में डिस्ट्रिक्ट फ्ले क्रिएटर्स लीग के मुकाबलों में दिखा रोमांच,आईएमएस वॉरियर्स ने लोको एफसी को 10-0 से हराया

मिगसन चैंपियंस और स्टेलरिन एफसी ने भी दर्ज की शानदार जीत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर-62 स्थित आईएमएस नोएडा में आयोजित

प्रदर्शन किया, लेकिन अंत में यूजुअल सस्पेक्ट्स एफसी ने 2-1 से मुकाबला अपने नाम किया।



डिस्ट्रिक्ट फ्ले क्रिएटर्स लीग के नॉकआउट चरण के मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल और प्रतिस्पर्धी भावना का प्रदर्शन किया। शनिवार की शाम को खेले गए मुकाबलों में टीमों के बीच जोरदार टक्कर देखने को मिली। मुकाबलों में खिलाड़ियों ने बेहतरीन पासिंग, आक्रामक खेल और मजबूत डिफेंस का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का उत्साह बढ़ाया। पहले मुकाबले में आईएमएस वॉरियर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लोको एफसी को 10-0 के बड़े अंतर से हराया। पूरे मुकाबले में आईएमएस वॉरियर्स के खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला और टीम ने लगातार गोल करते हुए मुकाबले को एकतरफा बना दिया। दूसरे मुकाबले में यूजुअल सस्पेक्ट्स एफसी और विश्वकर्मा स्पोर्ट्स एफसी के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। दोनों टीमों ने आक्रामक खेल का

वहीं, मिगसन चैंपियंस और एरियन्स एफसी के बीच हुए मुकाबले में भी गोलों की बारिश देखने को मिली। मिगसन चैंपियंस ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 5-3 से जीत दर्ज की। मुकाबले के दौरान दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने लगातार आक्रमण किए और दर्शकों को रोमांचक फुटबॉल देखने को मिली। सेमीफाइनल के एक अन्य मुकाबले में स्टेलरिन एफसी ने एससी दिल्ली क्रिएटर्स को 4-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। स्टेलरिन एफसी ने पूरे मैच में बेहतर नियंत्रण बनाए रखा और विपक्षी टीम को गोल करने का मौका नहीं दिया। मुकाबलों के परिणामों के बाद लीग का रोमांच और बढ़ गया है। खिलाड़ियों और टीमों की निगाहें अब अगले चरण में बेहतर प्रदर्शन करते हुए खिताब की ओर कदम बढ़ाने पर हैं।

पॉकेट 7 शिव मंदिर पर धूमधाम से मनाई गई राधा अष्टमी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर-82 स्थित पॉकेट-7 के शिव मंदिर में कार्यक्रम में भाग लेकर भक्ति भाव से राधा रानी



7 के शिव मंदिर में राधा अष्टमी का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर को आकर्षक ढंग से फूलों एवं रंग-बिरंगे गुब्बारों से सजाया गया। राधा अष्टमी के अवसर पर मंदिर परिसर में संगीत मंडली द्वारा भव्य भजन संध्या एवं कीर्तन का आयोजन किया गया। भजनों और कीर्तन से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो गया। बड़ी संख्या

का गुणगान किया। कार्यक्रम के अंत में विधिवत आरती की गई तथा श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान देवेंद्र कुमार गुप्ता, देव मणि शुक्ल, सुशील कुमार पाल, उत्तम चंद्रा, किशोर कपूर, रवि राघव, आयुष तिवारी, विकास कुमार, अंगद सिंह तोमर, संजय पांडेय, विष्णु शर्मा, हरि शंकर सिंह, रमेश चंद्र शर्मा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

श्री सनातन धर्म रामलीला समिति द्वारा भव्य रामलीला के लिए भूमि पूजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। श्री सनातन धर्म रामलीला समिति, नोएडा के 41 वर्षों की गौरवशाली एवं सार्थक यात्रा को

के अध्यक्ष, टी. एन. चौरसिया, श्री टी.एन. गोविल, महासचिव संजय बाली, विकास अग्रवाल, संजय गुप्ता, संजय गायल,



आगे बढ़ाते हुए, इस वर्ष भी भव्य रामलीला का आयोजन किया जाएगा। रामलीला आयोजन की तैयारियों के क्रम में आज दिनांक 20.09.2026 को नोएडा स्टेडियम, सेक्टर-21ए में विधि-विधान एवं मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ।

ओमवीर आवाना सुशील भारद्वाज आर.के अग्रवाल,, डा. वी. के गुप्ता, राकेश कत्याल, एस.के सिंघल, विनोद शर्मा, अर्चना राय, मीनाक्षी शर्मा, मीनाक्षी चौहान, सान्या चौधरी, सुष्मिता, पुष्पा रावत, नीलू जैन, विपिन बंसल, ओ.पी गुप्ता, राधाकिशन गर्ग, अल्पेश गर्ग, एन. वे. अग्रवाल, सौरभ गोविल, प्रमोद रंगा, एस. वे. राणा, मुकेश गुप्ता, डी.के मिततल, लोकेश कश्यप, विनय शर्मा, अभित त्यागी, धर्मेन्द्र चौहान, श्रेया



भूमि पूजन के अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन किया गया तथा रामलीला के ध्वज का विधिवत पूजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक एवं धार्मिक क्षेत्र से जुड़े गणमान्य अतिथियों ने उपस्थित होकर पूजा-अर्चना की और आयोजन वेग लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डा. महेश शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में विधायक जंकज सिंह उपमुख्य अतिथि, महेश चौहान, जिला अध्यक्ष, श्रीमती विमला बाथम, पूर्व विधायक कैप्टन विकास गुप्ता, मधुसूदन दादू, पीयूष द्विवेदी, एच.पी सिंह परिहार, एस.पी जैन, पंकज जिंदल, मुकेश गुप्ता, प्रताप मेहता, डा. वी.एस चौहान, हरीश वर्मा, मुकेश शमा, रविकांत मिश्रा सहित अन्य गणमान्य अतिथियों के रूप में कार्यक्रम में शामिल होकर पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर श्री सनातन धर्म रामलीला समिति

चतुर्वेदी, रोहित ठाकुर, पुनीत शुक्ला, प्रज्ञा पाठक, नरेन्द्र चोपड़ा, भूपेंद्र सिंह सहित समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि श्री सनातन धर्म रामलीला समितिएं नोएडा भगवान श्रीराम के आदर्शों, मर्यादा और सनातन संस्कृति के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रही हैं। इस वर्ष भी रामलीला को भव्य, गरिमामय एवं श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बनाने की तैयारियां की जा रही हैं। समिति ने शहरवासियों से अपील की कि वे बड़ी संख्या में रामलीला में पहुंचकर भगवान श्रीराम के जीवन एवं आदर्शों से प्रेरणा लें और आयोजन को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें। रामलीला का मंचन दिनांक 11 अक्टूबर 2026 से 21 अक्टूबर 2026 तक होगा एवं विजयदशमी का महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा।

पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने उत्तर गुजरात परिक्षेत्र के मण्डलाध्यक्षों के कार्यों की की समीक्षा, लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति पर दिया जोर

जनसेवा से डिजिटल सेवा तक, नवाचार द्वारा बदलते भारत के साथ कदमताल कर रहा डाक विभाग -पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव,उत्तर गुजरात में डाकघरों को वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनाने हेतु आरंभ ‘पोस्टल वारियर्स अभियान’ की पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने की गहन समीक्षा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) बनासकांठा। ‘डिजिटल इंडिया’ की परिकल्पना के अनुरूप भारतीय डाक अपने व्यापक नेटवर्क को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ते हुए सेवा वितरण को अधिक सरल, त्वरित, सुरक्षित और पारदर्शी बनाने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। डिजिटल तकनीकों के समावेश से डाकघरों में सेवाओं की दक्षता बढ़ी है और ग्राहकों को अनेक सुविधाएँ अधिक सुगमता एवं सुविधा के साथ उपलब्ध हो रही

349.51 करोड़ वेब सापेक्ष अगस्त-2026 तक उत्तर गुजरात

से डिलीवरी, डी फ्लस जीरो में स्पीड पोस्ट और पार्सल के त्वरित

गांवों को ‘सम्पूर्ण सुकन्या समृद्धि ग्राम’ और 902 गांवों को ‘सम्पूर्ण



डाक परिक्षेत्र ने 110.85 करोड़ का राजस्व अर्जित किया है, जो गत वर्ष की अपेक्षा 55 फीसदी की शानदार वृद्धि को दर्शाता है। उत्तर गुजरात के डाकघरों को



हैं। जनसेवा से डिजिटल सेवा तक, बदलते भारत के साथ निरंतर डाक विभाग कदमताल कर रहा है। सुरक्षित निवेश, सुनिश्चित रिटर्न और आकर्षक ब्याज दरों के चलते डाकघर की

आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से आरंभ ‘पोस्टल वारियर्स अभियान’ की गहन समीक्षा की गई और इसके तहत सिल्वर, गोल्ड, डायमंड एवं प्लेटिनम श्रेणी

वितरण, पीएम विश्वकर्मा टूल किट्स की डोर स्टेप डिलीवरी की सतत मानिट्रिंग, सेवाओं की प्रभावी मार्केटिंग रणनीति बनाने, सोशल मीडिया और ऑनलाइन माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के त्वरित निस्तारण, इण्डिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के माध्यम से सुगम डिजिटल बैंकिंग पर भी जोर दिया। इस बैठक के दौरान पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव के समक्ष विभिन्न मंडलों के अधिकारियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की प्रस्तुति दी गई, जिन पर विस्तार से चर्चा एवं विश्लेषण किया गया। उत्तर गुजरात परिक्षेत्र के डाकघरों में वित्तीय समावेशन के तहत इस वित्तीय वर्ष में अब तक लगभग 5.10 लाख नए बचत खाते व 15,700 सुकन्या समृद्धि खाते खोले गए हैं।डाक जीवन बीमा में 145 करोड़ रुपये व ग्रामीण डाक जीवन बीमा में 27 करोड़

बीमा ग्राम’ व 651 गाँवों को ‘सम्पूर्ण बचत ग्राम’ बनाया जा चुका है। इस अवसर पर प्रवर अधीक्षक, रेल डाक सेवा श्री पियूष रजक को सर्वाधिक डिजिटल ट्रांजैक्शन हेतु, श्री एच.सी. परमार, अधीक्षक डाकघर, बनासकांठा मंडल को एक दिन में डाक जीवन बीमा व ग्रामीण डाक जीवन बीमा में 1029 पॉलिसी के साथ सर्वाधिक 1.10 करोड़ के न्यू प्रीमियम हेतु, श्री एम.एम. भारवाड़, मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव, फॉरेन पोस्ट ऑफिस, अहमदाबाद को सर्वाधिक इंटरनेशनल मेल्स बुकिंग हेतु, श्री विन्नुभाई भारवाड़, उप मंडलीय निरीक्षक, विसनगर, मेहसाणा को ब्रांच पोस्ट ऑफिस के माध्यम से एक दिन में सर्वाधिक इंटरनेशनल मेल्स बुकिंग हेतु, कु.निराली पटेल, ब्रांच पोस्टमास्टर, उदलपुर, मेहसाणा को एक दिन में सर्वाधिक 2658 स्पीड पोस्ट



में डाकघरों को शीघ्र कवर करने के निर्देश दिए गए। समीक्षा के दौरान भविष्य की प्राथमिकताओं के अनुरूप निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति तथा व्यवसायिक वृद्धि को सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। पोस्टमास्टर जनरल ने पोस्ट ऑफिस काउंटेर्स पर डिजिटल ट्रांजैक्शन बढ़ाने, पोस्टमैनों द्वारा डिलीवरी मोबाइल ऐप के माध्यम

रुपये की कुल प्रीमियम राशि जमा हुई। 1.83 लाख लोगों ने डाकघर के माध्यम से आधार सेवाओं का लाभ उठाया।स्पीड पोस्ट से 25.15 करोड़ रुपये व पार्सल से 17.20 करोड़ रुपये, अंतर्राष्ट्रीय डाक सेवा से 5.96 करोड़ रुपये और सिटिजन सेंट्रिक सर्विस से 7.80 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। उत्तर गुजरात में अभी तक 1346

रुपये की कुल प्रीमियम राशि जमा हुई। 1.83 लाख लोगों ने डाकघर के माध्यम से आधार सेवाओं का लाभ उठाया।स्पीड पोस्ट से 25.15 करोड़ रुपये व पार्सल से 17.20 करोड़ रुपये, अंतर्राष्ट्रीय डाक सेवा से 5.96 करोड़ रुपये और सिटिजन सेंट्रिक सर्विस से 7.80 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। उत्तर गुजरात में अभी तक 1346

महापद्मनन्द वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन (एम.डब्ल्यू.ओ) का बड़ा संगठनात्मक निर्णय ,शिक्षक श्री रवीन्द्र नाथ शर्मा बने महाराष्ट्र इकाई के सचिव, संगठन में हर्ष की लहर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) अमेठी/मुंबई। समाज सेवा, शिक्षा और जनकल्याण के क्षेत्र में सक्रिय महापद्मनन्द वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन (एम.डब्ल्यू.ओ) ने

जौनपुर (उत्तर प्रदेश) के निवासी हैं तथा वर्तमान में मीरा रोड पूर्व, ठाणे (महाराष्ट्र) में निवास करते हैं। पेशे से शिक्षक होने के नाते वे लंबे समय से शिक्षा, सामाजिक



संगठनात्मक विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। संगठन की केन्द्रीय कमेटी ने महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष श्री घनश्याम शर्मा की संस्तुति पर पेशे से शिक्षक श्री रवीन्द्र नाथ शर्मा को महाराष्ट्र इकाई में सचिव पद पर निर्वाचित / नियुक्त / मनोनीत किया है। इस संबंध में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री घनश्याम शर्मा द्वारा जारी संगठनात्मक दायित्व पत्र (पत्रांक - नि./महा./003/2026) में कहा गया है कि श्री रवीन्द्र नाथ शर्मा के उत्कृष्ट व्यक्तित्व, सामाजिक सक्रियता, संगठन के प्रति निष्ठा, सेवा-भाव, नेतृत्व क्षमता एवं समाज हित के प्रति प्रतिबद्धता को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। रवीन्द्र नाथ शर्मा मूल रूप से ग्राम तेजपुर, पोस्ट- कुसरना, तहसील-वेरराकत, जिला-

का पालन करते हुए समाज की एकता, शिक्षा, रक्षण, जनकल्याण तथा संगठन के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण के लिए पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने संदेश में कहा, ‘यह दायित्व केवल एक पद नहीं, बल्कि समाज एवं संगठन के प्रति एक पवित्र उत्तरदायित्व और सेवा का संकल्प है।’ उन्होंने श्री शर्मा को उज्ज्वल कार्यकाल की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। श्री शर्मा की नियुक्ति पर एम.डब्ल्यू.ओ परिवार सहित महाराष्ट्र के सामाजिक संगठनों ने हर्ष व्यक्त किया है। समाज के लोगों का मानना है कि एक अनुभवी शिक्षक के नेतृत्व में संगठन महाराष्ट्र में शिक्षा और सेवा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छुएगा।

डीएम-एसपी ने तहसील डलमऊ में सम्पूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की सुनी समस्याएं,शिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण से निस्तारण कराए अधिकारी - डीएम

सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 63 शिकायतें आयी, 07 का तत्काळ हुआ निस्तारण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी कसरीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में तहसील डलमऊ में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

सुनिश्चित किया जाये। जिलाधिकारी ने बताया कि तहसील डलमऊ में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व विभाग 36, पुलिस 07, विकास



किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि जन सामान्य की शिकायतों का स्थानीय स्तर पर समाधान किया जाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है जिसके क्रम में तहसील व थानों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है। इसमें स्थानीय नागरिक उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का समाधान करा सकते हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी अधिकारी जनता की इन शिकायतों का निस्तारण त्वरित एवं समयबद्ध तरीके से एक सप्ताह में कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में यदि कोई समस्या है तो उसका कारण स्पष्ट करते हुए अवगत कराना

10, समाज कल्याण 02, शिक्षा 01 एवं अन्य 07 कुल 63 प्रकरण प्राप्त हुए, जिसमें से 07 प्रकरणों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। शेष प्रकरणों के निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को इस निर्देश के साथ उपलब्ध करा दिये गये कि उनका निस्तारण एक सप्ताह में कराना सुनिश्चित कराए। पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने भी पुलिस से संबंधित मामलों को सुना और संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 मनोज गुमराग शुक्ला, उपजिलाधिकारी डलमऊ प्रीती सिंह, क्षेत्राधिकारी डलमऊ गिरिजा शंकर त्रिपाठी सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बीसों साल से बने सड़क को अवरुद्ध करने का लगा आरोप

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद के रावटसंगंज

सभा की निधि से विगत में कई बार मिट्टी-मोरंग व मिक्स इत्यादि

हैं इसमें अवरुद्ध नहीं किया जा सकता। वहीं स्थानीय लोगों ने संबंधित अधिकारी तथा



कोतवाली अंतर्गत सूकृत पुलिस चौकी क्षेत्र के नागनार हरैया में बीसों साल से बने सड़क पर आवागमन को रोकने का आरोप गांव के ही एक व्यक्ति पर लगा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आबादी की जमीन से होता हुआ यह रोड बीसों साल से एक तरफ पक्की सड़क को छूता है और दूसरी तरफ जयप्रकाश मौर्य के घर तक जाता है जिसपर ग्राम

का कार्य भी कराया जा चुका है जिसकी पुष्टि पूर्व ग्राम प्रधान ने एक लिखित पत्र जारी करके दिया है। वहीं इस मामले को सुलझाने के लिए स्थानीय लोगों के द्वारा कई बार प्रयास किया जा चुका है जिसमें विडियो साहब वेड द्वारा तथा लेखपाल व कानूनगो साहब द्वारा भी लिखित रूप से स्पष्ट किया जा चुका है कि यह रोड सार्वजनिक रूप से

ट्रैक्टर का हल रखकर पूरी तरह से ब्लाक कर दिया गया उसके बाद स्थानीय लोगों के द्वारा डायल 112 को बुलाया गया तब जाकर ट्रैक्टर के हल को हटवाकर आवागमन चालू कराया गया। इसी क्रम में स्थानीय लोगों ने सोनभद्र प्रशासन से इस विवाद को खत्म कराने तथा मार्ग पर आवागमन अनवरत बनाए रखने में मदद की गुहार लगाई है।

सोनभद्र में 816 परीक्षा केंद्रों पर साक्षरता परीक्षा सकुशल सम्पन्न, 8,207 शिक्षार्थियों ने किया प्रतिभाग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत रविवार को जनपद सोनभद्र में 15 वर्ष एवं उससे अधिक आयुवर्ग के चिन्हित निरक्षर शिक्षार्थियों की मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक परीक्षा सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई। परीक्षा प्रातः 10:00 बजे से जनपद के 816 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई, जिसमें सभी 10 विकास खंडों से कुल 8,207 चिन्हित शिक्षार्थियों ने प्रतिभाग किया। विकास खंडवार सहभागिता में म्योरपुर से सर्वाधिक 2,106 लर्नर परीक्षा में सम्मिलित हुए। इसके अतिरिक्त रावटसंगंज से 1,541, कोन से 1,391, करमा से 741, चोपन से 484, चतरा से 464, नगवां से 437, घोरावल से 441, बभनी से

325 तथा दुद्री से 277 शिक्षार्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा के सफल संचालन के लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं तथा संबंधित परिषदीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों की देखरेख में परीक्षा सम्पन्न कराई गई। परीक्षा के दौरान सहायक निदेशक, साक्षरता कार्यक्रम, श्रीमती प्रतीमा मिश्रा द्वारा विकास खंड रावटसंगंज के प्राथमिक विद्यालय लोढ़ी प्रथम एवं प्राथमिक विद्यालय छपका स्थित परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा निरक्षर शिक्षार्थियों की उत्साहजनक उपस्थिति पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने परीक्षा संचालन की प्रक्रिया की जानकारी लेते हुए परीक्षा को

निर्धारित मानकों के अनुरूप व्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद में पूर्व में आयोजित साक्षरता परीक्षाओं में 24,958 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया है। इनमें 22,959 प्रतिभागी साक्षरता की निर्धारित दक्षता प्राप्त कर उत्तीर्ण हुए हैं, जबकि 1,959 प्रतिभागियों को सुधार की आवश्यकता पाई गई। इस प्रकार पूर्व परीक्षाओं में 91.99 प्रतिशत प्रतिभागियों ने निर्धारित साक्षरता दक्षता हासिल की है। मार्च 2026 में आयोजित परीक्षा में 12,210 प्रतिभागियों में से 12,056 उत्तीर्ण हुए थे, जबकि 154 प्रतिभागियों को सुधार की आवश्यकता रही थी।

स्कूली वाहनों पर चला चेकिंग अभियान, 26 का चालान, आठ वाहन बंद, मिशन सेफ फ्यूचर 3.0 के तहत चार दिवसीय अभियान में परिवहन विभाग की कार्रवाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मिशन सेफ फ्यूचर

कराया गया। उन्होंने बताया कि स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर

की अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी।



स्कूली वाहनों पर चला चेकिंग अभियान, 26 का चालान, आठ वाहन बंद

3.0 के अंतर्गत जनपद में 14 से

शासन के निर्देश पर लगातार

वाहनों के संचालन से जुड़े



18 सितंबर तक चार दिवसीय

अभियान चलाया जा रहा है।

स्कूल प्रबंधन से भी अपील की

विशेष अभियान चलाकर स्कूली वाहनों की सघन जांच की गई। अभियान के दौरान परिवहन विभाग की टीम ने विभिन्न स्थानों पर स्कूली वाहनों को रोककर उनमें फिटनेस, परमिट, दस्तावेज, सुरक्षा मानकों सहित अन्य जरूरी व्यवस्थाओं की जांच की। एआरटीओ प्रशासन कौशल कुमार सिंह ने बताया कि अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले 26 स्कूली वाहनों का चालान किया गया, जबकि आठ वाहनों को बंद

जांच के दौरान वाहन चालकों 3.0 के तहत संचालकों द्वारा निर्धारित मानकों का पालन करने के लिए भी जागरूक किया गया। उन्होंने कहा कि स्कूली वाहनों में सुरक्षा मानकों

का पालन नहीं किया जा रहा हो।

राष्ट्रीय लोक दल के जिला कार्यकर्ता सम्मेलन में प्रदेश अध्यक्ष (कार्यकारी) अनुपम मिश्रा का जोरदार स्वागत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। राष्ट्रीय लोक दल द्वारा आयोजित जिला कार्यकर्ता सम्मेलन के अवसर पर उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष (कार्यकारी) श्री अनुपम मिश्रा जी का सोनभद्र आगमन पर कार्यकर्ताओं ने मधुपुर एवं हिंदुआरी में जोरदार स्वागत किया।

कार्यकर्ताओं में प्रदेश अध्यक्ष के आगमन को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। इसके पश्चात प्रदेश अध्यक्ष (कार्यकारी) श्री अनुपम मिश्रा जी ने सिंचाई विभाग के डाक बंगले में पहुंचकर किसान मसीहा एवं भारत रत्न श्रद्धेय चौधरी चरण सिंह जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद विजयगढ़ वाटिका में जिला कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष (कार्यकारी) श्री अनुपम मिश्रा जी रहे। कार्यक्रम में प्रयाग क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री राघवेंद्र प्रताप सिंह जी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष (कार्यकारी) श्री अनुपम मिश्रा जी ने कार्यकर्ताओं को संगठन को मजबूत करने तथा पार्टी की विचारधारा एवं किसान, मजदूर और आमजन से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पार्टी को बागपत और सहारनपुर जैसी मजबूती प्रदान करने का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि संगठन को इतना मजबूत बनाया जाए कि सोनभद्र से भी पार्टी का जनप्रतिनिधि निर्वाचित हो।

उन्होंने सोनभद्र के किसानों और आदिवासी समाज की समस्याओं के संदर्भ में कहा कि इन मुद्दों को सरकार तक पहुंचाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे और इनमें निराकरण के लिए पार्टी संकल्पित है। कार्यकर्ताओं को संबल और भरोसा दिलाते हुए उन्होंने

कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जी की नजर में सोनभद्र वेड कार्यकर्ताओं और सोनभद्र के प्रति अपार स्नेह एवं आदर है। क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री राघवेंद्र प्रताप सिंह जी ने अपने संबोधन में कार्यकर्ताओं से संगठन को बूढ़ स्तर तक मजबूत करने और आपसी समन्वय के साथ पार्टी के लिए कार्य करने की बात कही। जिलाध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी जी ने अपने उद्बोधन में जिले में संगठन की गतिविधियों एवं कार्यकर्ताओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में भदोही जिलाध्यक्ष श्री सुनील पटेल जी एवं गुलकाशी सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री रवि चौबे जी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष श्रीमती शांति वर्मा जी एवं जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ श्री प्रशांत विष्णु सिंह जी ने किया।

कार्यक्रम के संयोजक एवं जिला संगठन महासचिव श्री धीरज चौबे जी ने उपस्थित अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर पूर्व प्रमुख श्री रमेश दुबे जी, सोनभद्र बार एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष श्री बंशीधर पांडेय जी, श्री रिकू अग्रहरि जी, श्री ओम प्रकाश तिवारी जी, श्री मनोज सिंह जी, श्री आजाद राय जी, श्री अवधेश सिंह जी, श्री तेजबहादुर पटेल जी,

श्री आनंद तिवारी जी, श्री सुधीर पांडेय जी, श्री उदय प्रकाश पटेल जी, श्री इब्रार अली जी, श्री सूरज चौबे जी, श्री मुरली चौहान जी, श्री ओमप्रकाश भारती जी, श्री सुनील गुप्ता जी, श्री दामोदर यादव जी एवं श्री बाबूदर यादव जी सहित राष्ट्रीय लोक दल के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकर्ता सम्मेलन वेड दौरान पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा जनहित के मुद्दों पर सक्रियता से कार्य करने का संकल्प लिया।



NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लांट, माइनिंग इण्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रॉनिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोट: फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश-विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

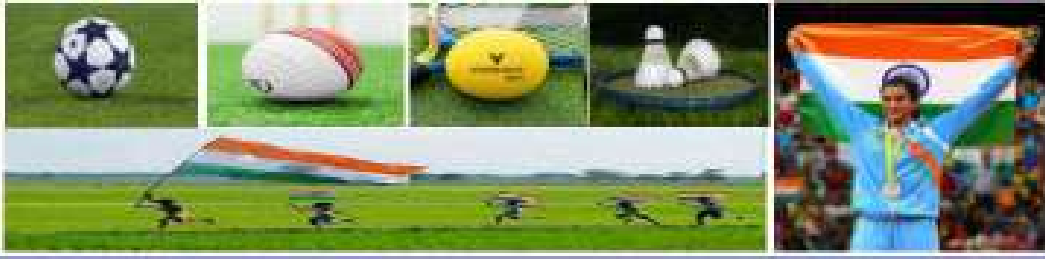
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480



श्री महन्तू

अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज

स्पोर्ट्स



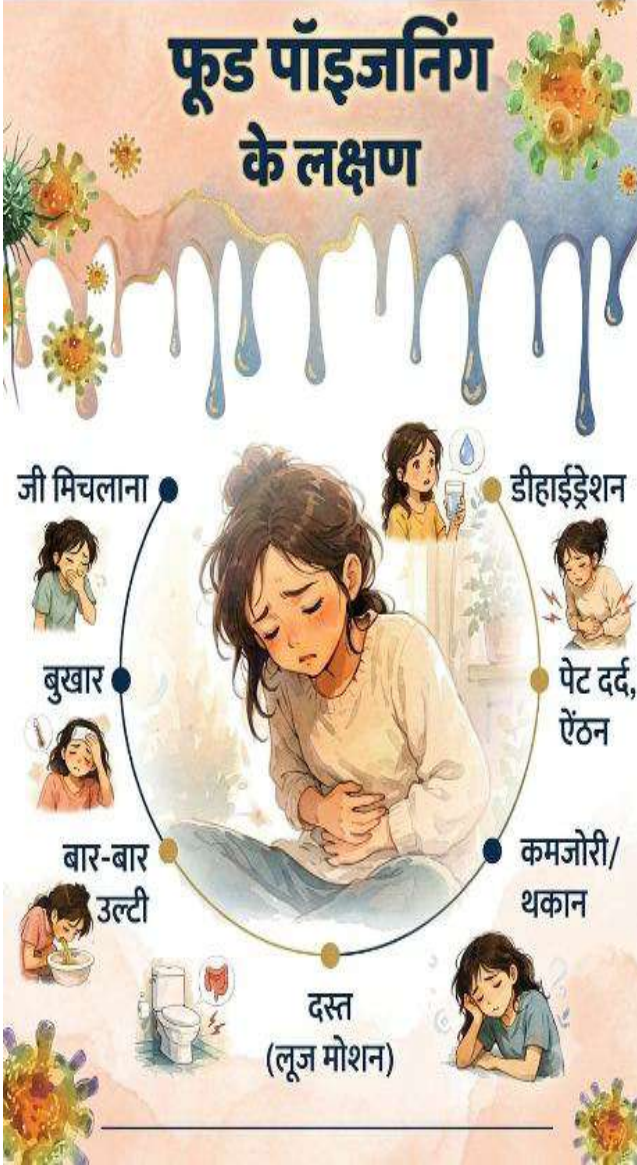
मानसून में बढ़ते फूड पॉइजनिंग के केस, ये लक्षण इग्नोर न करें, बचाव के लिए सावधानियां, बता रहे हैं डॉक्टर

जयपुर। बारिश के मौसम में वातावरण में नमी बढ़ जाती है। इससे खाने-पीने की चीजों में बैक्टीरिया और वायरस जल्दी पनपते हैं। यही वजह है कि इस मौसम में फूड पॉइजनिंग ज्यादा

वायरस, पैरासाइट या उनके टॉक्सिन्स के कारण होता है। सवाल- फूड पॉइजनिंग क्यों होती है? जवाब- फूड पॉइजनिंग मुख्य रूप से दूषित भोजन और पानी से होती है। दूषित पानी पीने से।

और दस्त जैसे लक्षण दिखते हैं। समय पर ध्यान न देने से लक्षण गंभीर हो सकते हैं। जी मिचलाना, बुखार, बार-बार उल्टी दस्त (लूज मोशन) डीहाइड्रेशन, पेट दर्द, ऐंठन, कमजोरी/थकान।

सवाल- अगर बाहर खाना मजबूरी हो तो किन बातों का ध्यान रखें? जवाब- बाहर ऐसी जगह खाएं, जहां साफ-सफाई का ध्यान रखा जाता हो। इसके अलावा कुछ बातों का ध्यान रखें- बहुत ज्यादा भीड़भाड़ वाली जगह न जाएं। खाना खाने से पहले हाथ जरूर धोएं। बोतलबंद या पैकड पानी ही पिएं। ताजा और गरम खाना ही ऑर्डर करें। खुले में रखा या पहले से बना खाना न लें। कच्चा सलाद, कटे फल और चटनी न लें। खाने का स्वाद अजीब हो तो तुरंत छोड़ दें। बर्फ वाले ड्रिंक्स न पिएं। कच्चा या अधपका नॉनवेज न खाएं। एक्सपायरी डेट देखकर ही पैकड फूड खरीदें। सवाल- मानसून में घर में खाना स्टोर करते समय क्या सावधानियां बरतें? जवाब- खाना स्टोर करते समय बरतें ये सावधानियां- पका हुआ खाना ठंडा होने के बाद ही फ्रिज में रखें। खाने को एयरटाइट कंटेनर में स्टोर करें। कच्चा और पका खाना अलग-अलग रखें। फ्रिज का तापमान सही रखें (लगभग 4डिग्री)। बासी या स्मेल वाला खाना तुरंत फेंक दें। फ्रिज और किचन की नियमित सफाई करें। बार-बार गर्म करके खाना स्टोर न करें। बारिश में फूड पॉइजनिंग का रिस्क बढ़ जाता है। इसलिए उल्टी, दस्त या बुखार को नजरअंदाज न करें। साफ पानी पिएं, ताजा खाना खाएं। लक्षण बढ़ें या 24-48 घंटे में राहत न मिले तो तुरंत डॉक्टर से मिलें। सवाल- अगर फूड पॉइजनिंग हो जाए तो क्या करें? जवाब- ऐसी स्थिति में शरीर को हाइड्रेट रखना और डाइजेस्टिव सिस्टम को आराम देना जरूरी है। हल्के लक्षणों में घर पर देखभाल से सुधार हो सकता है, लेकिन समस्या बढ़ने पर डॉक्टर से कंसल्ट करें। फूड पॉइजनिंग में इन बातों का ध्यान रखें- ज्यादा से ज्यादा पानी, ओआरएस या नारियल पानी लें। हल्का और सुपाच्य खाना (खिचड़ी, दही, सूप) खाएं। शरीर को पर्याप्त आराम दें। खुद से एंटीबायोटिक



होती है। पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट्स और 'फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया' (FSSAI) के मुताबिक, मानसून वेा दौरान ई,कोली और सल्मोनेला जैसे बैक्टीरिया तेजी

स्ट्रीट फूड खाने से। खुले में रखा फूड खाने से। बासी खाना खाने से। अधपका मीट, अंडा खाने से। बिना धुले फल-सब्जियां खाने से। बिना हाथ धुले खाना पकाने से। गलत फूड स्टोरेज

तुरंत फ्रिज में रखें। उबला/फिल्टर्ड पानी पिएं। फल-सब्जियां धोकर खाएं। खाने से पहले हाथ धोएं। खाना पकाने से पहले हाथ धोएं। कच्चा-पका खाना अलग रखें। लंबे समय से कटे फल न खाएं। फास्ट



से फैलते हैं। बढ़ी हुई नमी, जलभराव और दूषित भोजन-पानी इसके मुख्य कारण हैं। इस कारण फूड पॉइजनिंग, डायरिया और हैजा के मामले बढ़ जाते हैं।

हालांकि कुछ बुनियादी सावधानियां अपनाकर इन बीमारियों के रिस्क से बचा जा सकता है।

। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में हम फूड पॉइजनिंग के बारे में विस्तार से बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि-फूड पॉइजनिंग के लक्षण क्या हैं? बारिश में फूड पॉइजनिंग से बचने के लिए क्या करें?

विषय को समझेगे एक्सपर्ट-डॉ. बृज वल्लभ शर्मा, सीनियर कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, नारायणा हॉस्पिटल, जयपुर जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से।

सवाल- फूड पॉइजनिंग क्या है? जवाब- फूड पॉइजनिंग दूषित भोजन-पानी से होने वाला संक्रमण है। यह बैक्टीरिया,

से। एक्सपायर्ड फूड खाने से। बिना हाथ धुले खाने से। कच्चा-पका खाना साथ रखने से। सवाल- मानसून में फूड पॉइजनिंग के केसेज क्यों बढ़ जाते हैं? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- मानसून में वातावरण में नमी बढ़ जाती है।

यह बैक्टीरिया, वायरस और फंगस के पनपने के लिए अनुकूल माहौल बनाता है।

इस कारण खाना जल्दी खराब होता है। इसे खाने से फूड पॉइजनिंग का रिस्क बढ़ता है। बारिश के दौरान पानी भी जल्दी दूषित होता है। सब्जियां, फल, स्ट्रीट फूड और खुले में रखा खाना गंदे पानी या मक्खियों के संपर्क में आता है।

इससे संक्रमण का रिस्क बढ़ जाता है। मानसून में डाइजेस्टिव सिस्टम भी थोड़ा स्लो होता है। इससे शरीर संक्रमण से मजबूती के साथ नहीं लड़ पाता है।

सवाल- फूड पॉइजनिंग के लक्षण क्या हैं? जवाब- फूड पॉइजनिंग की शुरुआत में उल्टी

फूड, जंक दोबारा खाने से फूड न खाएं। पहले गर्म करें। स्ट्रीट फूड खुले में बन रहा जूस न पिएं। सवाल- बारिश में फूड पॉइजनिंग से बचाव के लिए खानपान में क्या बदलाव करें?

जवाब- सही खानपान ही फूड पॉइजनिंग से बचाव का आसान तरीका है। नीचे देखें कि इस मौसम में क्या खाएं और क्या न खाएं।

क्या खाएं- ताजा, गरम और अच्छी तरह पका हुआ खाना। घर का बना खाना। दाल, खिचड़ी, सूप जैसे हल्की डाइट।

उबली या स्टीम की हुई सब्जियां। दही, छाछ जैसे प्रोबायोटिक। उबला/फिल्टर किया हुआ पानी। मौसमी फल (अच्छे से धोकर)। क्या न खाएं- खुले में रखा खाना।

स्ट्रीट फूड। बासी खाना। खुले में रखे कटे हुए फल। अधपका मीट, अंडा या सीफूड। ज्यादा तला-भुना और मसालेदार खाना। पैकेज्ड फूड। बिना धुले फल-सब्जियां।

या अन्य दवाएं न लें। सवाल- फूड पॉइजनिंग का इलाज कैसे होता है? जवाब- इसका इलाज लक्षणों की गंभीरता पर निर्भर करता है।

जैसेकि- डॉक्टर शरीर में पानी की कमी पूरी करने के लिए ओआरएस देते हैं। उल्टी और दस्त कंट्रोल करने के लिए दवाएं देते हैं।

बैक्टीरियल इन्फेक्शन में एंटीबायोटिक देते हैं।

ज्यादा कमजोरी या डिहाइड्रेशन में ड्रिप (आईवी फ्लूड) लगाया जा सकता है। सवाल- डॉक्टर को कब दिखाएं? जवाब- फूड पॉइजनिंग के इन लक्षणों को इग्नोर न करें, क्योंकि ये गंभीर संक्रमण का संकेत हो सकते हैं।

इन स्थितियों में डॉक्टर को जरूर दिखाएं- बार-बार उल्टी हो।

दस्त के साथ ब्लीडिंग हो। तेज बुखार (103°F से ज्यादा) हो। डीहाइड्रेशन (चक्कर, सूखा मुंह, कम पेशाब) हो।

शेफाली का नाबाद शतक- एशियाड सेमीफाइनल में भारत ने बांग्लादेश को 196 रन का टारगेट दिया, मंधाना विमेंस टी-20 अंतर्राष्ट्रीय की टॉप स्कोरर

स्पोर्ट डेस्क। एशियन गेम्स के विमेंस क्रिकेट सेमीफाइनल में भारत ने बांग्लादेश को 196 रन का टारगेट दिया। टीम ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 195 रन बना लिए हैं।

शेफाली वर्मा ने 49 गेंदों में नाबाद शतक लगाया। स्मृति मंधाना 19 गेंदों में 37 रन बनाकर आउट हुईं। उन्होंने 5 चौके और 2 छक्के लगाए। इस पारी के दौरान मंधाना विमेंस टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज भी बन गईं। उनके नाम अब 4,788 रन हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड की सुजी बेट्स (4,758 रन) को पीछे छोड़ा। दोनों टीमों की प्लेइंग-11-भारत- शेफाली वर्मा, स्मृति मंधाना, भारती फुलमाली, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमालिनी,

दीप्ति शर्मा, श्रेयंका पाटिल, श्री चरणी, नंदनी शर्मा और क्रांति गौड़। बांग्लादेश: दिलारा अख्तर, जुआरिया फरदूस, शोभना



मूस्तारी, निगार सुल्ताना (विकेटकीपर/कप्तान), शोर्ना अख्तर, शर्मिन अख्तर, शाजिदा अख्तर मेघला, राबेया खान, नाहिदा अख्तर, मारुफा अख्तर और सुल्ताना खातून। आधुनिक समाचार की खबर लिखे जाने तक

का अपडेट:- भारत ने 20 ओवर में 195 रन बनाए-शेफाली वर्मा ने 49 गेंदों में 100 रन की नाबाद शतकीय पारी खेली। उनके साथ भारती फुलमाली 5 गेंदों में 9 रन बनाकर नाबाद रही। भारत ने आखिरी ओवर में 10 रन जोड़े और 20 ओवर में 195/4 का स्कोर बनाया। शेफाली की नाबाद शतक-20वें ओवर की आखिरी बॉल पर शोर्ना अख्तर की गेंद पर शेफाली वर्मा ने 1 रन लेकर 49 गेंदों में अपना पहला व्हाइट-बॉल इंटरनेशनल शतक पूरा किया। इसके साथ ही वह एशियन गेम्स में शतक लगाने वाली पहली बल्लेबाज बन गईं। हरमन-शेफाली के बीच 94 रन की साझेदारी टूटी। 18वें ओवर में राबेया खान ने हरमनप्रीत कौर को स्टंपिंग कराकर आउट किया। हरमनप्रीत आगे

बढ़कर शॉट खेलने गईं, लेकिन गेंद को मिस कर गईं। विकेटकीपर निगार सुल्ताना ने कोई गलती नहीं की और स्टंप उखाड़ दिए। हरमनप्रीत 33 गेंदों में 40 रन बनाकर आउट हुईं, जिसमें 6 चौके शामिल रहे। हरमन-शेफाली के बीच तीसरे विकेट के लिए 94 रन की साझेदारी हुई। शेफाली ने 15वें ओवर में लगातार दो छक्के लगाए। 15वें ओवर में मारुफा अख्तर के ओवर में शेफाली वर्मा ने लगातार दो छक्के और एक चौका लगाया। उन्होंने इस ओवर में 17 रन बनाए, जबकि हरमनप्रीत कौर ने एक चौका लगाया। ओवर से कुल 22 रन आए। इसके साथ भारत का स्कोर 15 ओवर के बाद 150/2 हो गया। शेफाली 38 गेंदों में 79 रन बनाकर खेल रही हैं, जबकि हरमनप्रीत 23 गेंदों में 27 रन पर हैं।

स्किन की परेशानी डर्मेटोलॉजिस्ट से जानें घरेलू उपचार, बचाव के 8 तरीके, कब डॉक्टर को दिखाना जरूरी

नयी दिल्ली। गर्मियों में तेज धूप, उमस और पसीने से स्किन पर खुजली, लाल दाने या रैशेज हो जाते हैं। लोग इसे हल्की समस्या मानकर नजरअंदाज कर

में स्किन पर छोटे-छोटे दाने निकलते हैं। ये गर्मी में असहजता बढ़ाते हैं। सवाल- हीट रैश और एलर्जी या फंगल इन्फेक्शन में क्या फर्क होता है?

ज्यादा जमा होता है। ये बच्चों और वयस्कों में अलग अलग जगहों पर होता है- बच्चों में- आर्म पिट्स (बगल) कोहनी के अंदर की सिलवटें गर्दन-ग्रेइन या

कमजोर हो सकती हैं। इससे स्किन में इन्फेक्शन और सूजन का रिस्क बढ़ जाता है, जिससे रैश जल्दी हो सकते हैं। डायबिटीक लोगों को ज्यादा पसीना आता है, जिससे हीट रैश का रिस्क बढ़ सकता है। ओबिसिटी-वजन ज्यादा होने पर स्किन की सिलवटें (स्किन फोल्ड्स) बढ़ जाती हैं। इसलिए जांघों, पेट या आर्म पिट्स (बगल) में हीट रैश के लक्षण ज्यादा दिखते हैं। मोटापे के कारण बॉडी को हीट कंट्रोल करने में समस्या होती है। इससे पसीना ज्यादा बनता है और हीट रैश का खतरा बढ़ जाता है। स्किन कंडीशन, कुछ स्किन डिजीज में स्किन सेंसिटिव हो जाती या सूजन हो जाती है। इससे स्वेट डक्ट्स ब्लॉक हो जाती हैं। ऐसी स्किन पर गर्मी और पसीना होने से रैश जल्दी बन सकते हैं। सवाल- हीट रैश का घरेलू इलाज क्या है? जवाब- कुछ आसान घरेलू उपाय जलन, खुजली कम करने में मदद कर सकते हैं। जैसे- ठंडी पट्टी: प्रभावित हिस्से पर 5-10 मिनट तक ठंडे पानी में भीगे कपड़े की पट्टी रखें या बर्फ पर कपड़ा लपेटकर लगाएं। यह सूजन और खुजली कम करने में मदद कर सकता है। एलोवेरा: एलोवेरा जेल लगाने से स्किन को ठंडक मिलती है। इससे जलन व सूजन कम हो सकती है। खीरा: फ्रिज में रखी खीरे की स्लाइस प्रभावित जगह पर लगाएं। इससे स्किन को ठंडक मिलती है और जलन कम हो सकती है। चंदन पाउडर: चंदन पाउडर में पानी मिलाकर पेस्ट बनाकर लगाएं। इससे जलन और सूजन कम करने में



देते हैं। कई बार ये हीट रैश यानी घमोरियां हो सकती हैं। स्किन पर स्वेट डक्ट्स होते हैं, जिनसे पसीना निकलता है। इनके ब्लॉक होने पर पसीना स्किन के अंदर ही फंस जाता है। इससे हीट रैश होता है। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में हीट रैश की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- हीट रैश क्यों होता है? इसके क्या लक्षण हैं?

जवाब- हीट रैश, एलर्जी और फंगल इन्फेक्शन तीनों में स्किन पर दाने के साथ खुजली हो सकती है, लेकिन इनके कारण अलग होते हैं। तीनों को एक-एक करके समझते हैं- हीट रैश, हीट रैश ज्यादा गर्मी और पसीने की वजह से होता है। स्किन डक्ट्स में पसीना फंसने पर छोटे लाल दाने हो जाते हैं या चुभन महसूस होती है। यह अक्सर

हायपर वाला हिस्सा, गर्दन का निचला हिस्सा और पीठ,वयस्कों में- हाथ, पीठ, चेस्ट (महिलाओं में ब्रेस्ट के नीचे), जांघों के बीच इन हिस्सों में पसीना ज्यादा जमा होने से स्वेट डक्ट्स ब्लॉक हो जाते हैं। इससे हीट रैश होता है। सवाल- क्या टाइट कपड़े पहनने से हीट रैश बढ़ सकता है?जवाब- हां, टाइट कपड़ों से एयर फ्लो रुक जाता है। इससे



हीट रैश के घरेलू उपाय क्या हैं? साथ ही विषय को समझेगे एक्सपर्ट- डॉ. संदीप अरोड़ा, सीनियर कंसल्टेंट, डर्मेटोलॉजी, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- हीट रैश क्या होता है? जवाब- हीट रैश एक कॉमन स्किन प्रॉब्लम है। यह ज्यादा गर्मी और पसीने की वजह से होता है। इसे 'प्रिकली हीट', 'स्वेट रैश' या 'मिलियारिया' भी कहा जाता है। सवाल- हीट रैश क्यों होता है? जवाब- पसीने को स्किन की सरफेस तक पहुंचाने वाली डक्ट ब्लॉक होने पर हीट रैश होता है। इससे पसीना स्किन के अंदर जमा होने लगता है। यह दाने या रैशेज के रूप में बाहर निकलता है। हीट रैश

गर्दन, पीठ, आर्म पिट (बगल) या जांघों पर होता है। एलर्जी- एलर्जी आमतौर पर साबुन, कॉस्मेटिक, मेडिसिन या फूड के रिएक्शन से होती है। इसमें लाल चकत्ते, सूजन और तेज खुजली होती है। फंगल इन्फेक्शन- ये फंगस के कारण होता है। आमतौर पर आर्म पिट (बगल), जांघों पर या पैरों की उंगलियों के बीच होता है। इसमें गोल दाने, लगातार खुजली होती है। स्किन छिल भी सकती है। सवाल- हीट रैश शरीर के किन हिस्सों में ज्यादा होता है? जवाब- यह उन हिस्सों में होता है, जहां हवा कम लगती है या स्किन आपस में रगड़ती है। खासकर वे हिस्से जो कपड़ों से ढके रहते हैं या जहां पसीना

स्किन तक हवा नहीं पहुंच पाती। इसके चलते पसीना ज्यादा होता है, देर से सूखता है। यही वजह है कि टाइट कपड़े पहनने से हीट रैश बढ़ जाता है। सवाल- क्या पर्सनल हाइजीन का ख्याल न रखने से भी हीट रैश बढ़ सकता है? जवाब- हां, अगर रोज नहीं नहाते हैं, पसीने से भीगे कपड़े लंबे समय तक पहने हुए हैं, साफ सफाई नहीं रखते हैं तो हीट रैश बढ़ सकता है। सवाल- क्या ओबिसिटी या अन्य हेल्थ कंडीशंस भी हीट रैश के रिस्क को बढ़ा सकती हैं? जवाब- हां, कुछ हेल्थ कंडीशंस हीट रैश होने के खतरे को बढ़ा सकती हैं। पॉइंटर्स से समझिए-डायबिटीज डायबिटीज में ब्लड शुगर ज्यादा रहने से स्किन की इम्यूनिटी

मदद मिल सकती है। नीम- नीम के पत्तों का पेस्ट या नीम का तेल लगाएं। इससे स्किन को आराम मिलता है, क्योंकि इसमें एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं।

सवाल- कितने दिनों तक हीट रैश ठीक न हो तो डॉक्टर को दिखाना चाहिए? जवाब- आमतौर पर हीट रैश 2-3 दिनों में ठीक हो जाते हैं।

इन कंडीशंस में डॉक्टर से कंसल्ट करें- अगर दाने 3-4 दिनों से ज्यादा समय तक बने हुए हैं।

बुखार, दर्द, पस और सूजन जैसे लक्षण दिख रहे हैं। गर्मी में होने वाला हीट रैश स्किन के ओवरहीट और केयर की कमी का संकेत है। थोड़ी सावधानी बरतकर इससे बचा जा सकता है।

दुनिया के शहर मिलकर भी क्लाइमेट

चेंज से लड़ सकते हैं

जलवायु परिवर्तन वेेे ख़िलाफ़ पूरी दुनिया ही एक लड़ाई लड़ रही है। इस संघर्ष में लक्ष्यों और प्रतिबद्धताओं की कोई कमी

प्रयास हैं। लू, बाढ़, सूखा और एक्स्ट्रीम-मौसम की घटनाएं

हैं, जो एक अरब से अधिक लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। इसमें



नहीं रही है। लेकिन अंततः लोग इस दिशा में हुई प्रगति का आकलन इस आधार पर करते हैं कि वे अपने दैनिक जीवन में क्या अनुभव करते हैं। और जलवायु कार्रवाई का प्रभाव दुनिया के शहरों में सबसे अधिक प्रत्यक्ष रूप से दिखाई देता है। शहरों में यह समझ अब बनने लगी है कि ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन कम करने और जलवायु संबंधी चुनौतियों का सामना करने की क्षमता बढ़ाने वाले उपाय लोगों के दैनिक जीवन को भी बेहतर बनाते हैं। एनर्जी-इफिशिएंट घर बिजली के बिल को कम करते हैं। रिन्यूएबल एनर्जी आयातित-ईंधनों पर निर्भरता और तेल-गैस की कीमतों में उछाल से पैदा होने वाली मुश्किलों को कम करती हैं। बेहतर सार्वजनिक परिवहन और सुरक्षित साइकिल इंफ्रास्ट्रक्चर लोगों को आने-जाने के लिए अधिक किफायती और स्वस्थ विकल्प उपलब्ध कराता है। पेड़ और ग्रीन बेल्ट हवा की गुणवत्ता में सुधार लाते हैं, इलाकों को ठंडा रखते हैं और शहरों को रहने के लिए अधिक सुखद बनाते हैं। लेकिन जलवायु कार्रवाई का उद्देश्य केवल यही नहीं है। यह लोगों को गर्म होती पृथ्वी के पहले से स्पष्ट हो चुके प्रभावों से सुरक्षित रखने का भी

लागातार अधिक तीव्र हो रही हैं। शहर और उनके निवासी इन चुनौतियों का सबसे पहले सामना कर रहे हैं। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन का सामना करने के लिए एडाप्टेशन के उपायों को भी आगे बढ़ाना होगा। दुनिया भर में स्थानीय नेतृत्व स्कूलों, अस्पतालों, नर्सिंग होम्स और सार्वजनिक स्थलों को अत्यधिक गर्मी तथा अन्य जलवायु जोखिमों से नागरिकों की सुरक्षा के लिए अनुकूल बनाने के प्रयास कर रहा है। छायादार व्यवस्थाएं, ग्रीन रूफ और प्राकृतिक कूलिंग सिस्टम्स बढ़ते तापमान के प्रति शहरों की क्षमता को बढ़ा सकते हैं, जिसका सबसे अधिक लाभ बच्चों, बुजुर्गों और अन्य संवेदनशील समूहों को मिलता है। आज दुनिया के कई बड़े शहरों में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन घटा है, जबकि उनकी आबादी लगातार बढ़ती रही है। इसके अलावा, तमाम तरह के शहर मिलकर उस प्रगति को और तेज करने के लिए सहयोग कर रहे हैं, जो उन्होंने अलग-अलग स्तर पर हासिल की हैं। पिछले एक दशक में ग्लोबल कोवेनेंट ऑफ़ मेयर्स फॉर क्लाइमेट एंड एनर्जी (जीसीओएम) 150 देशों के 14,000 से अधिक शहरों और स्थानीय सरकारों के गठबंधन के रूप में विकसित हुआ

भारत के भी 29 शहर शामिल हैं और सबसे नया सदस्य तिरुवनंतपुरम है। इसके अनेक सदस्य शहरों ने अपनी सरकारों की तुलना में अधिक महत्वाकांक्षी



जलवायु लक्ष्य अपनाए हैं और उन्हें अधिक तेजी से हासिल करने की दिशा में आगे बढ़े हैं। फिर भी, यदि उन्हें अधिक सहयोग मिले तो वे और तेजी से तथा अधिक व्यापक स्तर पर काम कर सकते हैं। उन्हें तकनीकी विशेषज्ञता और फंडिंग तक पहुंच का तत्काल आवश्यकता है। अनेक स्थानीय निकायों के पास अब भी इतने

मौसम से बेहतर सुरक्षा। सबसे सफल जलवायु-नीतियां वही होती हैं, जिनका असर लोग अपने रोजमर्रा के जीवन में देख और महसूस कर सकें, यानी स्वच्छ हवा, अधिक सुरक्षित सड़कें, बिजली का कम बिल, अधिक स्वस्थ घर और एक्स्ट्रीम-मौसम से बेहतर सुरक्षा। [प्रोजेक्ट सिंडिकेट,माइकल ब्लूमबर्ग]

भारतीय के बजाय विदेशी कंपनियों को

टैक्स छूट क्यों?

एआई के लिए सेमीकंडक्टर बनाने वाली एनवीडिया कंपनी की वैल्यू भारत की जीडीपी से ज्यादा

विदेशी क्लाउड कम्पनियों को साल 2047 तक इनकम टैक्स में छूट दे दी गई है। इस टैक्स छूट की

में ऑफिस स्थापित करने की बाध्यता नहीं है, इससे भारत के श्रम कानून उन पर लागू नहीं

सबसे गर्म 100 शहरों वाले भारत में नदियां और तालाब पहले ही सूख रहे हैं। गर्मी से



हैं। इलॉन मस्क अपनी स्पेस एक्स कंपनी के शेरयोर के दम पर 174 देशों से भी अधिक सम्पत्ति वाले दुनिया के सबसे रईस व्यक्ति बन गए हैं। डेटा, तेल और एआई- इन तीन बड़ी बातों से डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिका की बादशाहत को कायम रखने की कोशिश कर रहे हैं। अगले 5 सालों में 500 अरब डॉलर यानी 47 लाख करोड़ रुपए की अमेरिकी वस्तुओं और सेवाओं के आयात के लिए भारत पर दबाव बढ़ रहा है। उसी कड़ी में भारत में डेटा सेंटरों की स्थापना हो रही है, क्योंकि अमेरिकी डेटा सेंटरों के लिए मशीनों और सेवाओं का भारत में आयात होगा। इस परिदृश्य के पांच पहलुओं को समझना जरूरी है : 1. अमेरिकी एआई कंपनियों को सफल होने के लिए बड़े पैमाने पर डेटा सेंटर की जरूरत है। हमारे आम बजट में सिर्फ 1 साल के लिए टैक्स के नियम बनाए जाते हैं। लेकिन अमेरिका के दबाव में इस साल के बजट में

वजह से अगले चार सालों में 5000 मेगावाट यानी पांच गीगावाट के विदेशी डेटा सेंटर स्थापित करने का लक्ष्य है। स्वदेशी कंपनियों को टैक्स छूट नहीं मिलना संविधान की समानता के उल्लंघन के साथ सार्वभौमिकता का भी हनन है। 2. दुनिया के कुल डेटा का लगभग 25फीसदी भारत से जनरेट हो रहा है। भारत में डेटा सुरक्षा कानून लागू नहीं होने से अमेरिका की टेक कंपनियां और मालिक मालामाल हो रहे हैं। पिछले साल यूपीआई से 314 लाख करोड़ के लेनदेन हुए, जो ग्लोबल रियल टाइम पेमेंट का 49फीसदी है। रिजर्व बैंक ने 2018 में डेटा को भारत में सुरक्षित रखने के लिए नियम बनाए थे, जिन्हें विदेशी कंपनियों पर लागू नहीं किया जा रहा है। 3. केंद्र सरकार ने पिछले साल कहा था कि विदेशी कंपनियों को भारत में परमानेंट एस्टैब्लिशमेंट स्थापित करने के बाद ही टैक्स में छूट मिलेगी। अब उन्हें भारत

होंगे। विदेशी डेटा सेंटर कंपनियों को राज्यों की सरकारें जमीनों का आवंटन और रियायतें दे रही हैं। खरबों डॉलर के निवेश वाले इन डेटा सेंटरों से औद्योगिक क्रांति नहीं होने से दीर्घकालिक रोजगारों का सृजन भी नहीं होगा। 4. डेटा सेंटरों को चौबीसों घंटे बिजली चाहिए या डीजल वाले जनरेटर सेंट के बैंकअप की जरूरत होगी। चार सालों में डेटा सेंटरों में बिजली की खपत 6 गुना बढ़ जाएगी। इनकी सहूलियत के लिए भारत में परमाणु बिजली का कानून नया बनाया गया है। इनसे चेर्नोबिल जैसे हादसे होने का खतरा बढ़ गया है। राज्यों की बिजली कंपनियां सात लाख करोड़ के कर्ज से दबी हैं। डेटा सेंटरों की वजह से ऊर्जा के साथ विदेशी मुद्रा का संकट गहरा सकता है।

5. गर्मी के उत्सर्जन और रैंडिएशन की वजह से अमेरिका में डेटा सेंटर बंद करने का आंदोलन चल रहा है। दुनिया के

भारत की जीडीपी को 4.5 फीसदी का झटका लग सकता है। भारत में 60 करोड़ से ज्यादा लोग जल संकट से ग्रस्त हैं। खरबों गैलन पानी निगलने वाले डेटा सेंटरों की वजह से भूगर्भजल के साथ पेयजल का संकट गहरा सकता है। अंतरिक्ष और समुद्र में डेटा सेंटर के ख्याब बेचकर मस्क टेक-कुबेर बन गए हैं। गरीबी, एकाधिकार, बेरोजगारी, जलवायु जोखिम और श्रम कानूनों को लागू करने की जरूरत है। हमारे आम बजट में सिर्फ 1 साल के लिए टैक्स के नियम बनाए जाते हैं। लेकिन अमेरिका के दबाव से इस साल के बजट में विदेशी क्लाउड कम्पनियों को साल 2047 तक इनकम टैक्स में छूट दे दी गई है। इसका क्या कारण है? (ये लेखक के अपने विचार हैं,विराग गुप्ता)

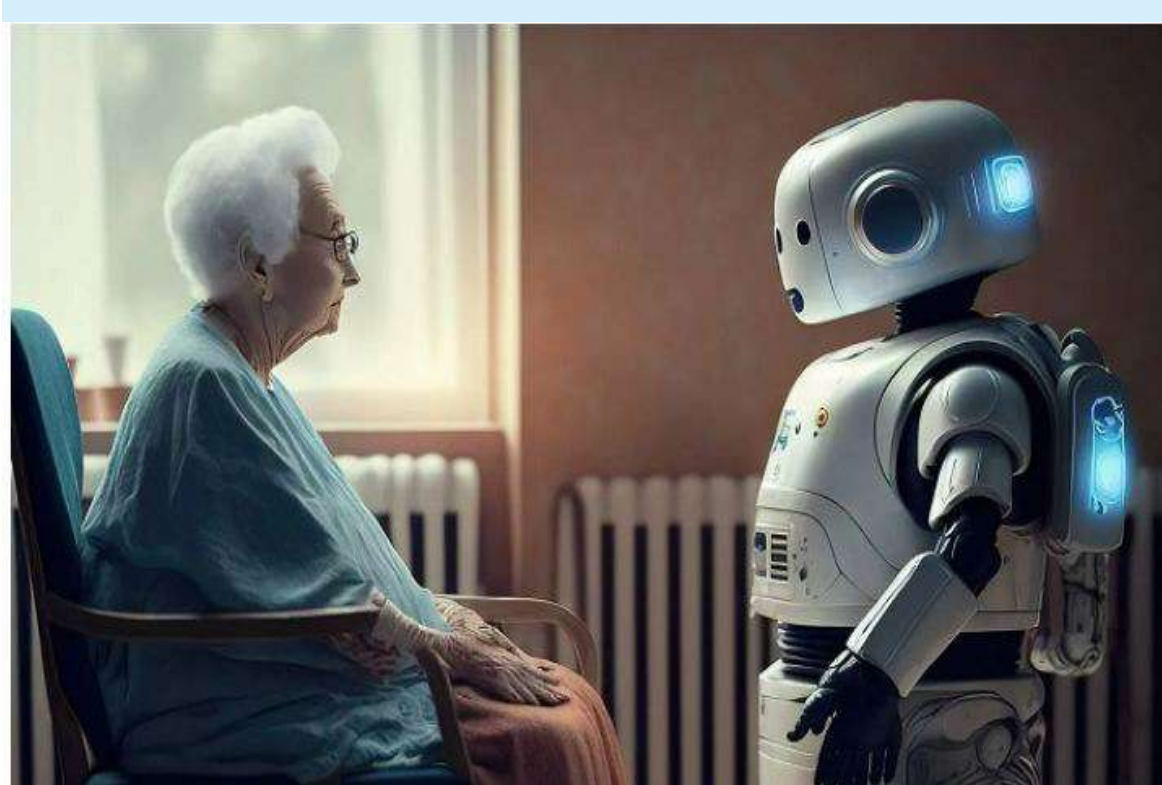
किसी दिन ‘कोडी’ कई बुजुर्गों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा होगा

अगर आपकी उम्र 60 से ज्यादा है और आपकी देखभाल करने के लिए कोई नहीं है,

कुडिया और बेन गोटजेल के दिमाग में आया था। ‘कोडी’ का मुस्कराता हुआ चेहरा है,

जुड़ने और कम अकेलापन महसूस करने में मदद करेगा। लेकिन को-फाउंडर्स का मानना

होगी कि आने वाले वर्षों में बच्चों से दूर रहने वाले पैरेंट्स या निःसंतान लोगों को ‘कोडी’ जैसे



लेकिन आप किसी ओल्ड-एज होम में भी नहीं जाना चाहते हैं, और उसके बजाय अपने ही घर में रहना चाहते हैं तो ऐसा सोचने वाले आप अकेले नहीं हैं। अक्टूबर 2025 में दक्षिण कोरिया में हुआ अध्ययन कहता है कि 95६ से अधिक बुजुर्ग मनोवैज्ञानिक फायदों के चलते हमेशा उसी घर में उम्र बिताना पसंद करते हैं, जहां दशकों से रहते आए हैं। दक्षिण कोरिया सबसे तेजी से बुजुर्ग होती आबादी वाले देशों में एक है और पिछले साल वह ‘सुपर-एज्ड सोसाइटी’ बन गया। लेकिन उन लोगों का क्या होगा, जिनके बच्चे दूसरे शहरों में या विदेश चले गए हैं या शादी के बाद आपके घर से चले गए? उनकी जगह ‘कोडी’ लेगा। सोच रहे हैं कि ‘कोडी’ कौन है? तो आगे पढ़िए। हम इंसान जहां चंद महीने में बच्चों को जन्म दे सकते हैं, जो बड़े होकर हमारी देखभाल करते हैं, वहीं ‘कोडी’ के पैरेंट्स को उसे दुनिया के सामने लाने में लगभग तीन साल लग गए। इसानी जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए ‘कोडी’ का विचार क्रिस

हालांकि उसकी चमकीली भूरी आंखें आपको असहज कर सकती हैं। उसका तीन फीट का फ्रेम, शारती मुस्कान के साथ चेहरे के दोस्ताना भाव उसे सहज बनाते हैं। हां, वह अमेरिका के सिएटल की कंपनी ‘माइंड चिल्ड्रन’ का एक ह्यूमनॉइड रोबोट है। 11 जून को उसने अमेरिकी अखबार को इंटरव्यू दिया। उससे पूछा गया कि उसके सामने क्या है। बच्चों जैसी आवाज में उसने तुरंत कहा कि ‘स्क्रीन वाला एक वर्कप्लेस, जहां कुछ नोट्स और रोजमर्रा की चीजें हैं। यह किसी क्लासिक लैब जैसा सेटअप दिखता है, जो विचारों को जीवन में उतारने की अच्छी जगह जैसा लगता है।’ हालांकि आज वह चाय का कप भी नहीं उठा सकता, लेकिन वह आश्चस्त है कि अगले 10 साल में वह सिर्फ इतना ही नहीं, बल्कि बहुत कुछ कर पाएगा। वह कहता है, ‘शायद तब तक मैं एलेक्टर के दरवाजे भी खोल सकूंगा।’ उसके को-फाउंडर्स को भी भरोसा है कि यह रोबोट स्कूलों, अस्पतालों, होटलों और घरों का हिस्सा बनेगा। लोगों को सीखने,

है कि उससे पहले ‘कोडी’ को कई बाधाएं पार करनी होंगी। ‘माइंड चिल्ड्रन’ कंपनी ने इसके विकास के अगले चरण के लिए क्राउडफंडिंग शुरू कर दी है। उसे उम्मीद है कि एक बार लॉन्च होने पर वह इसे इतना सस्ता बना देगी कि अकेले रहने वाले व्यक्ति इसे खरीद सकें। जब भी ऐसी नई तकनीक बाजार में आती है तो शुरू में वह बेहद अमीर लोगों का खिलौना बन जाती है। आज नई तकनीक बाजार में आती है तो शुरू में वह बेहद अमीर लोगों का खिलौना बन जाती है। आज कुछ होम-रोबोट 20 हजार डॉलर में बिक रहे हैं, लेकिन को-फाउंडर्स चाहते हैं कि ‘कोडी’ की कीमत 10 हजार डॉलर ही हो। दोनों को भरोसा है कि वे ‘कोडी’ के ऐसे इस्तेमाल के बेहद करीब हैं, जहां वह बुजुर्गों की देखभाल कर सके और उनके अकेलेपन से लड़ सके। होटलों और आर्ट गैलरियों में इसकी पायलट स्टडी चल रही है, ताकि इसके विकास के लिए जरूरी डेटा जुटाए जा सकें। फिर 2027 में ‘कोडी’ का दूसरा संस्करण तैयार किया जाएगा। ऐसे विश्व में, जहां ह्यूमनॉइड मशीनें दुनिया की समझ से भी तेज गति से बढ़ रही हैं, यह हैरानी की बात नहीं

रोबोट उपहार में दिए जाने लगे। ‘कोडी’ पहले से ही आंखों से आंखों का संपर्क करने और भावनात्मक स्थितियों पर प्रतिक्रिया देने में बेहतर है। वह आसपास का माहौल भी समझता है। चंद और कदमों के बाद वह जीवनभर आपकी देखभाल करने वाला ‘सौतेला बेटा’ बन सकता है। ऐसा कितनी जल्दी होगा, उसके को-फाउंडर्स बता सकते हैं। महज 10 साल पहले ही क्या हमने कभी सोचा था कि 25 हजार रुपए की ‘रूम्बा’ मशीन हमारे घरों में झाड़ू-पोंछा करने वाली मेड की जगह ले लेगी? आज रूम्बा आधुनिक शहरी घरों, यहां तक कि मध्यमवर्गीय परिवारों में भी मौजूद है। मेड अब कुक बन कर ज्यादा कमाई कर रही हैं और मशीनें दिन के किसी भी समय बिना शिकायत अपना काम कर रही हैं। फंडा यह है कि आधुनिक मशीनें इंसानों द्वारा निर्मित खालीपन को भरने में पर्याप्त समझदार हो रही हैं। लेकिन क्या वे हमारी भावनात्मक जरूरतों को भी पूरा कर पाएंगी? जवाब सिर्फ समय ही देगा। एन. रघुरामन

चुनावों में बेतहाशा खर्च भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है

चुनाव लड़ना एक महंगा काम है। भारत में लोकसभा या विधानसभा का चुनाव लड़ने के लिए पार्टियों को दो प्रमुख आवश्यकताएं होती हैं। पहली, अपने उम्मीदवार के चुनाव-प्रचार

है कि चुनावी प्रक्रिया के दौरान वैध और अवैध, दोनों प्रकार के धन का व्यापक प्रवाह होता है। 2024 के लोकसभा चुनाव में 7,445 करोड़ का आधिकारिक व्यय वास्तविक चुनावी खर्च का

भविष्य में लाभ की अपेक्षा भी रखते हैं। यह प्रवृत्ति केवल भारत तक सीमित नहीं है। उदाहरण के लिए, अमेरिका में विनियमित पब्लिक अफेयर्स कमेटियां (पीएसी) सीनेट और प्रतिनिधि

बढ़ा है। सरकार इससे अनभिज्ञ नहीं है, लेकिन इसके बारे में बहुत कुछ नहीं कर सकती। हर स्तर पर चुनावी फंडिंग की आवश्यकता होती है। विधानसभा और नगर निगमों में



के लिए बड़े पैमाने पर धन जुटाना। दूसरी, अपनी सीटें बढ़ाने के लिए विपक्ष के उम्मीदवारों को अपने पक्ष में करना। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के अनुसार, 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान पांच राष्ट्रीय और 21 क्षेत्रीय राजनीतिक दलों को दानदाताओं से आधिकारिक रूप से कुल 7,445 करोड़ रुपए मिले थे। यह चुनावी फंडिंग का वैध हिस्सा है। व्यावसायिक कंपनियों और व्यक्तियों के लिए दलों को डोनेट करने की अनुमति देने वाली विवादास्पद इलेक्टोरल बॉन्ड योजना को फरवरी 2024 में उच्चतम न्यायालय ने निरस्त कर दिया था। लेकिन अधिकांश दलों ने इसका विकल्प तलाशने के तरीके विकसित कर लिए हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद भी आंतरिक रूप से विभाजित तृणमूल कांग्रेस के बैंक खाते में 630 करोड़ से अधिक की राशि शेष होना यह दर्शाता

केवल एक छोटा हिस्सा है। सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज़ (सीएमएस) ने अनुमान लगाया है कि चुनाव की कुल लागत 1.35 लाख करोड़ रु. रही थी। यह 2004 के लोकसभा चुनाव में खर्च हुए 15,000 करोड़ की तुलना में 900फीसदी अधिक है। यह 2020 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव पर हुए 1.2 लाख करोड़ रु. के खर्च से भी अधिक है। चुनाव आयोग ने उम्मीदवारों के खर्च की सीमा तय की है। प्रत्येक सांसद कानूनी रूप से अधिकतम 95 लाख तक खर्च कर सकता है, जबकि विधायकों के लिए यह सीमा 28 लाख से 40 लाख के बीच है। लेकिन दलों के चुनावी खर्च पर सीमा नहीं है। इन अनुमानों के आधार पर, 2024 के लोकसभा चुनाव में अवैध फंडिंग 1 लाख करोड़ रुपए से कहीं अधिक रही। यह धन कंपनियों, रियल एस्टेट डेवलपर्स और अन्य स्रोतों से आया। ये जिन दलों को धन देते हैं, उनसे

सभा के उम्मीदवारों के चुनाव अभियानों में बड़ी मात्रा में धन लगाती हैं। अमेरिकन इजराइल पब्लिक अफेयर्स कमेटी (एआईपीएसी) जैसे प्रभावशाली फंडिंग ग्रुप्स किसी उम्मीदवार की चुनावी संभावनाओं को बना या बिगाड़ सकते हैं। एआईपीएसी दशकों से अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन और सीनेटर लिंडसे ग्राहम जैसे नेताओं को वित्तीय समर्थन देता रहा है।

अंतर केवल पारदर्शिता का है। हालांकि, अमेरिकी व्यवस्था में भी कार्टेल और विशेष हित समूहों का अवैध धन नकद के रूप में उम्मीदवारों तक पहुंचता है। भारत में चुनावों में नकद फंडिंग का अनुपात कहीं अधिक है और यह व्यापक भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है। यद्यपि केंद्र स्तर पर भ्रष्टाचार यूपीए के फोन-बैंकिंग वाले दौर की तुलना में कम हुआ है, लेकिन राज्य और नगर निकाय स्तर पर भ्रष्टाचार

सृजन के लिए बहुत कम किया है। ये दोनों वर्ग मुख्यतः सोशल मीडिया और ऑनलाइन माध्यमों पर ही अधिक मुखर हैं। अधिकांश भारतीय इस बढ़ते असंतोष से अप्रभावित हैं। लेकिन सरकार उन्हें हल्के में नहीं ले सकती। राम मंदिर की दानपेटी की चोरी की घटना एक चेतावनी है। भारतीय जनता पार्टी राम मंदिर के मुद्दे पर सत्ता तक पहुंची थी।

यदि भ्रष्टाचार का दाग भगवान के घर तक पहुंचता दिखाई देता है, तो भाजपा के किले की नींव कमजोर पड़ सकती है। प्रधानमंत्री मोदी इससे पहले भी अनेक संकटों का सामना कर चुके हैं- कोविड, टैरिफ, युद्ध आदि। लेकिन भ्रष्टाचार अनेक सिरों वाले राक्षस की तरह है। 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले उस पर नियंत्रण पाना मोदी के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। (ये लेखक के अपने विचार हैं,मिन्हाज मर्वेट)

अमेरिका ने मिडिल-ईस्ट में दूतावासों को अलर्ट किया,ट्रम्प छुट्टी खत्म होने से पहले व्हाइट हाउस लौटे, दावा- अमेरिकी विमान ब्रिटिश एयरवेस से रवाना हुए

वॉशिंगटन डीसी / तेहरान।उनके मुताबिक, रियाद और सऊदी तेल कंपनी अरामको की यानबू स्थित सुविधाओं को निशाना बनाया गया। इस हमले

हैं। मोहम्मदी ने कहा कि इसके बावजूद कई ईरानी अपने अधिकारों के लिए आवाज उठा रहे हैं। उन्होंने खास तौर पर युवा पीढ़ी का जिक्र किया, जो अपने



के बाद सऊदी अरब और हुतियों के बीच तनाव और बढ़ गया है। ईरान की नोबेल विजेता बोली-जंग और दमन की कीमत लोग चुका रहेईरान की नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नर्गिस मोहम्मदी ने कहा है कि देश में चल रही जंग, आर्थिक संकट और सरकारी दमन का सबसे ज्यादा असर आम लोगों पर पड़ रहा है। उन्होंने एपी से बातचीत में कहा कि हालात ऐसे हो गए हैं कि लोगों के लिए सांस लेना भी मुश्किल हो गया है। मोहम्मदी ने कहा कि पिछले डेढ़ साल में समाज में सरकारी दमन और बढ़ा है। आर्थिक दबाव के साथ लोगों पर बढ़ती पाबंदियों ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी

एआई की गलती से अमेरिका-चीन में हो जाती जंग, चीनी हाजम में परमाणु उपकरण होने की फेंक खबर दी, हमले को तैयार थी अमेरिकी सेना

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी सेना में एआई का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा-यह मामला ऐसे समय सामने आया है, जब अमेरिकी



सेना में एआई का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। सेना एआई की मदद से खुफिया जानकारी समझने, टारगेट चुनने और हथियारों व सैनिकों की तैनाती जैसे काम कर रही है। अमेरिका का मानना है कि एआई युद्ध के दौरान फैंसले जल्दी लेने में मदद कर सकता है। साथ ही उसे डर है कि अगर चीन सैन्य एआई में आगे निकल गया तो अमेरिका को नुकसान हो सकता है। इसी वजह से रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने जनवरी में एआई के इस्तेमाल को तेजी से बढ़ाने की योजना शुरू की थी। इसके तहत करीब 30 लाख सैन्य और असैन्य कर्मचारियों को एआई टूल उपलब्ध कराने की तैयारी है।

सड़कों पर 12 साल में रु16 लाख करोड़ हुए खर्च, 1.5 करोड़ पेड़ भी कटे- लेकिन फिर भी कार की औसत स्पीड 13 किमी/घंटा ही बढ़ी

नयी दिल्ली। सरकार ने पिछले 12 वर्षों में हाईवे नेटवर्क पर करीब 16 लाख करोड़ रुपए खर्च किए,



लेकिन वाहनों की रफ्तार में बहुत ज्यादा सुधार नहीं हुआ।सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की ओर से संसद में पेश आंकड़ों और नीति आयोग की लॉजिस्टिक्स रिपोर्ट के अनुसार, 2014 में नेशनल हाईवे पर कारों की औसत रफ्तार 45 किमी/घंटा थी। 2026 में यह 52 से 58 किमी/घंटा के बीच है। यानी अधिकतम 13 किमी/घंटा ही बढ़ी। ट्रकों की औसत रफ्तार तो केवल 2 किमी/घंटा ही बढ़ी है। 100 किमी की यात्रा में कार से करीब 10 मिनट ही बचते हैं। इस निर्माण के लिए 12 साल में एक करोड़ से अधिक पेड़ भी काटे गए। स्टेट हाईवे जोड़ें तो संख्या 1.5 करोड़ से ज्यादा

रिपोर्ट- इजराइली सेना में हथियार/सैनिक कम पड़े, 3 साल की जंग में टैंक भी घिसे, बोइंग से 12 अपाचे हेलिकॉप्टर की डील भी रूकी

तेल अवीव। एक्सपर्ट बोले- इजराइल के हथियार खत्म नहीं हुए, भंडार घटा-रक्षा विश्लेषक हमजा अत्तार ने अल जजीरा से

काम भी कर सकती हैं। इजराइल में यह चिंता बढ़ रही है कि अमेरिका में उसके समर्थन को लेकर लोगों की सोच बदल

कि धार्मिक शिक्षा और तोराह का अध्ययन उनके जीवन का मुख्य हिस्सा है। यह व्यवस्था दशकों तक चलती रही। लेकिन



बातचीत में कहा कि इजराइली सेना के पास हथियारों की ऐसी कमी नहीं है कि वह युद्ध लड़ने की स्थिति में न हो। उनके मुताबिक, इजराइल आमतौर पर जरूरत से ज्यादा हथियारों का भंडार रखता है। तीन साल की जंग में हथियारों और सैन्य उपकरणों का इस्तेमाल हुआ है। इसलिए सेना अब खर्च हुए और क्षतिग्रस्त हथियारों की जगह नए हथियार लाकर अपना भंडार फिर से बढ़ाना चाहती है। इसके लिए उसे ज्यादा बजट की जरूरत है। यानी यहां 'हथियारों की कमी' का मतलब यह नहीं है कि इजराइल के पास युद्ध लड़ने के लिए हथियार ही नहीं बचे हैं। इसका मतलब यह भी हो सकता है कि सेना अपने हथियारों का भंडार उस स्तर पर बनाए रखना चाहती है, जिसे वह लंबे युद्ध के लिए जरूरी मानती है। अमेरिका-यूरोप पर दबाव बनाने की रणनीति भी हो सकती है-अत्तार का एक और तर्क है कि हथियारों की कमी से जुड़ी ये खबरें अमेरिका और यूरोप पर हथियारों की सप्लाई तेज करने का दबाव बनाने का

सकती है। ऐसे में इजराइल भविष्य में अमेरिकी नीति में बदलाव होने से पहले हथियारों के सौदों को जल्दी पूरा करना चाहता है।अत्तार ने इसी संदर्भ में अमेरिकी हथियारों की संभावित नई बिक्री की रिपोर्टों का उदाहरण दिया। उनका कहना है कि हथियारों की कमी की खबरें सामने आने से अमेरिका और यूरोप से मिलने वाली सैन्य मदद को जल्द बढ़ाने की जरूरत का संदेश भी जा सकता है। सैनिकों की कमी भी बड़ी समस्या-इजराइल में एक ऐसा तबका है, जिसकी आबादी बढ़ रही है, लेकिन सेना में उसकी भागीदारी अब भी बहुत कम है। ये हैं हारेदी यानी अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स यहूदी। तीन साल से चल रही जंग के बीच जब सेना को ज्यादा सैनिकों की जरूरत महसूस हो रही है, तब हारेदी युवाओं की भर्ती सबसे बड़े विवादों में से एक बन गई है। 1948 से मिल रही थी छूट, अब कोर्ट ने कहा- सेना में जाओ-इजराइल बनने के बाद से धार्मिक पढ़ाई में पूरी तरह लगे हारेदी पुरुषों को सैन्य सेवा से छुट मिलती रही। उनका तर्क रहा है

2024 में इजराइल की सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया कि हारेदी पुरुषों को सेना से सामूहिक छुट देने का कोई कानूनी आधार नहीं है। कोर्ट के फैसले के बाद सेना ने उन्हें भी सामान्य भर्ती प्रक्रिया में शामिल करना शुरू किया। इसके बाद मामला सिर्फ सेना और युवाओं के बीच नहीं रहा। हारेदी धार्मिक नेताओं और उनके समर्थकों ने भर्ती का विरोध किया।

कई जगह प्रदर्शन हुए और कुछ युवाओं ने भर्ती नोटिस का जवाब देने से इनकार कर दिया। वजह यह बताई गई कि सेना में जाने से उनकी धार्मिक जीवनशैली और धार्मिक पढ़ाई प्रभावित होगी। 24 हजार नोटिस भेजे, सिर्फ 428 सेना में पहुंचे-जुलाई 2025 में इजराइली संसद में सेना ने जो आंकड़े दिए, वे इस विवाद की गंभीरता दिखाते हैं। सेना ने करीब 24 हजार हारेदी युवाओं को भर्ती के नोटिस भेजे थे। इनमें करीब 1,200 भर्ती केंद्र पहुंचे, लेकिन सिर्फ 428 वास्तव में सेना में शामिल हुए। इनमें भी केवल 98 लड़ाकू सैनिक थे।

भाजपा बोली- कांग्रेस बनी जोकरों की पार्टी,शिक्षा मंत्री बोले- पीएम की मां का अपमान किया, राहुल के छात्रों की गूंज कार्यक्रम पर विवाद

इंदौर। राहुल गांधी के इंदौर में हुए कार्यक्रम 'छात्रों की गूंज' पर विवाद हो गया है। बीजेपी ने आरोप लगाया है कि कार्यक्रम में पीएम मोदी की मां का अपमान किया गया। केंद्रीय मंत्री किरेन

रोजगार जैसे मुद्दों पर बात की-राहुल गांधी ने शनिवार को इंदौर में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के पांचवें एडिशन में हिस्सा लिया। इसका विषय 'सिस्टम बनाम स्टूडेंट्स' था। यह कार्यक्रम इससे पहले

राहुल गांधी भी उनके साथ हंसते नजर आए। राहुल ने पुलकित से कहा- हाउआर यू मोदी जी। नाइस टू मीट यू। और बताइए थोड़ा। पुलकित ने इस दौरान कई डायलॉग्स बोले, जिन्हें प्रधानमंत्री की नकल



रिजिजू ने रविवार को एक्स पर पोस्ट में लिखा- कांग्रेस पार्टी कॉमेडियंस और जोकर्स की पार्टी बन गई है। वे हमेशा के लिए बाहर हो गए हैंष्ठ रेस्ट इन पीस। शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा- राहुल और कांग्रेस पार्टी नैतिक दिवालियापन के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। छात्र संवाद का इस्तेमाल पीएम मोदी की दिवंगत मां का मजाक उड़ाने और उनका अपमान करने के लिए करना बुनियादी मानवीय संवेदना और राजनीतिक संस्कृति की चौंकाने वाली कमी दिखाता है। दूसरी तरफ कांग्रेस ने बीजेपी और आरएसएस पर शिक्षा व्यवस्था को खोखला और भ्रष्ट करने का आरोप लगाया। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि राहुल गांधी छात्रों के साथ खड़े हैं, इसलिए सरकार से सवाल पूछ रहे हैं और जवाबदेही मांग रहे हैं। राहुल बोले- सरकार के पास दिया जलाने का पैसा, हॉस्टल का नहीं-वहीं राहुल गांधी ने इंदौर में अपने कार्यक्रम का जिक्र करते हुए एक्स पर अपने



आदिवासी छात्रों ने हॉस्टल और दूसरी सुविधाओं की कमी का मुद्दा उठाया। शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों के प्रदर्शन का मुद्दा भी कार्यक्रम में उठा, जिस पर राहुल ने उनके आंदोलन में शामिल होने की पेशकश की। राहुल ने कहा कि शिक्षा बच्चों का अधिकार है, कोई एहसान या सुविधा नहीं। कार्यक्रम में स्टैंडअप कॉमेडियन पुलकित मणि ने पीएम मोदी के अंदाज से मिलते-जुलते हाव-भाव और संवाद किए।

के तौर पर देखा गया। कार्यक्रम का वीडियो कांग्रेस के एक्स हैंडल पर शेयर किया गया।

वीडियो सामने आने के बाद बीजेपी नेताओं ने इस पर आपत्ति जताई। राहुल बोले- सिस्टम छात्रों के सवालों से डरता है-राहुल ने कहा कि छात्र जिज्ञासु होते हैं और संस्थानों के कामकाज, भर्ती, परीक्षाओं और रोजगार के अवसरों पर सवाल पूछते हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि देश में एक ऐसा सिस्टम बन गया है,

पाक का विदेशी मुद्रा भंडार 3 साल में 7 गुना, 3 से 26 अरब डॉलर पहुंचा, इसमें कमाई कम, कर्ज ज्यादा

इस्लामाबाद। एक हफ्ते में 3.06 अरब डॉलर बढ़ा रिजर्व-11 सितंबर को खत्म हुए हफ्ते में पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार में 3.06 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई। स्टेट बैंक के

विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ने से पाकिस्तान के पास डॉलर का बड़ा बफर हो गया है। इन डॉलर का इस्तेमाल तेल, मशीनरी, कच्चा माल और दूसरी जरूरी चीजें खरीदने में किया जा सकता है।

वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 85.3 करोड़ डॉलर था। इससे बाहरी खाते की स्थिति में सुधार तो दिखता है, लेकिन विदेशी मुद्रा की जरूरत अभी भी बनी हुई है। अब रिजर्व को बनाए रखना



मुताबिक, इसकी मुख्य वजह यूरोबॉन्ड से मिली रकम थी। यानी एक हफ्ते में रिजर्व बढ़ने का मतलब यह नहीं है कि पाकिस्तान ने 3.06 अरब डॉलर की नई कमाई की। इसका बड़ा हिस्सा कर्ज लेकर जुटाई गई रकम थी। यूरोबॉन्ड क्या होता है? यूरोबॉन्ड विदेशी बाजार से कर्ज लेने के लिए जारी किया जाने वाला एक तरह का बॉन्ड है। इसे खरीदने वाले निवेशक सरकार को पैसा देते हैं। सरकार तय समय के बाद यह रकम ब्याज के साथ लौटाती है। पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में यूरोबॉन्ड जारी कर रकम जुटाई और इसे अपने विदेशी मुद्रा भंडार में शामिल कर लिया। इससे फिलहाल उसके पास विदेशी भुगतान के लिए ज्यादा डॉलर उपलब्ध हो गए हैं, लेकिन आगे इस कर्ज को चुकाना होगा। अभी पाकिस्तान के पास कितने डॉलर हैं? स्टेट बैंक: 21.39 अरब डॉलर दूसरे बैंक: 5.40 अरब डॉलर कुल विदेशी मुद्रा रिजर्व: 26.79 अरब डॉलर पाकिस्तान ने करीब 6.64 अरब डॉलर का सामान और सेवाएं आयात की, जबकि निर्यात करीब 3.33 अरब डॉलर रहा। यानी पाकिस्तान विदेशों से जितने डॉलर का सामान और सेवाएं खरीद रहा है, उतने डॉलर वह निर्यात से नहीं कमा रहा। जुलाई-अगस्त 2026 में पाकिस्तान का कुल घाटा करीब 54.3 करोड़ डॉलर रहा। पिछले

विदेशी कर्ज की किस्त और ब्याज चुकाने के लिए भी डॉलर की जरूरत होती है। मौजूदा रिजर्व करीब तीन महीने के आयात खर्च के बराबर है। हालांकि, इसका यह मतलब नहीं है कि पाकिस्तान तीन महीने तक बिना कोई नया डॉलर कमाए काम चला सकता है। लगातार आयात और कर्ज भुगतान के लिए नए डॉलर की जरूरत बनी रहेगी। विदेश में काम कर रहे पाकिस्तानियों से भी मदद-विदेशों में काम करने वाले पाकिस्तानियों की ओर से भेजा गया पैसा यानी रेमिटेंस विदेशी मुद्रा का बड़ा स्रोत है। अगस्त में पाकिस्तान को करीब 3.66 अरब डॉलर की रेमिटेंस मिली। जुलाई में यह रकम करीब 3.63 अरब डॉलर थी। इसी दौरान पाकिस्तान का बाकी दुनिया के साथ लेन-देन का घाटा भी कम हुआ। अगस्त में यह करीब 9.8 अरब करोड़ डॉलर रहा, जबकि जुलाई में 44.5 करोड़ डॉलर था। पाकिस्तान का आयात अब भी निर्यात से ज्यादा-अगस्त में पाकिस्तान ने करीब 6.64 अरब डॉलर का सामान और सेवाएं आयात की, जबकि निर्यात करीब 3.33 अरब डॉलर रहा। यानी पाकिस्तान विदेशों से जितने डॉलर का सामान और सेवाएं खरीद रहा है, उतने डॉलर वह निर्यात से नहीं कमा रहा। जुलाई-अगस्त 2026 में पाकिस्तान का कुल घाटा करीब 54.3 करोड़ डॉलर रहा। पिछले

बड़ी चुनौती- पाकिस्तान के लिए अब सिर्फ विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ाना ही काफी नहीं होगा। उसे आने वाले महीनों में इसे बनाए रखना भी होगा। इसके लिए तीन चीजें अहम रहेगी:- विदेशों से आने वाली रेमिटेंस मजबूत बनी रहे पाकिस्तान निर्यात से ज्यादा डॉलर कमाए तेल और दूसरी जरूरी चीजों के आयात पर होने वाला खर्च काबू में रहे खासकर तेल की कीमत बढ़ने पर पाकिस्तान का आयात बिल बढ़ सकता है। इससे उसके विदेशी मुद्रा भंडार पर फिर दबाव पड़ेगा। पाकिस्तान को पुराने कर्ज भी चुकाने हैं-रिंकोई रिजर्व के बावजूद पाकिस्तान पर पुराने विदेशी कर्ज चुकाने की जिम्मेदारी बनी हुई है। सितंबर से दिसंबर 2026 के बीच उसे आईएमएफ को कई भुगतान करने से ज्यादा रॉयटर्स के मुताबिक, पाकिस्तान चीन के साथ 30 अरब युआन की मुद्रा स्wap व्यवस्था को 2027 में बढ़ाने पर विचार कर रहा है। जरूरत पड़ने पर इस व्यवस्था के जरिए दोनों देशों को एक-दूसरे की मुद्रा उपलब्ध कराई जा सकती है। वहीं, पाकिस्तान अमेरिका के साथ 10 अरब डॉलर की एक्सचेंज स्टेबिलाइजेशन सुविधा को लेकर भी बातचीत कर रहा है। इसका इस्तेमाल विदेशी मुद्रा पर दबाव बढ़ने की स्थिति में किया जा सकता है। इसवेअलावा पाकिस्तान का 7 अरब डॉलर का आईएमएफ कार्यक्रम भी जारी है।

गुजरात के बनासकांठा के वाडिया गांव में किया गया परिवर्तन-बेटियों को देह व्यापार से बचाने के लिए 7 साल की उम्र में सगाई, 18 में शादी

बनासकांठा। गुजरात के बनासकांठा जिले के वाडिया गांव में बेटियों को देह व्यापार से बचाने के लिए कम उम्र में सगाई कराई जा रही है। गांव में लड़कियों की सगाई 7 से 12 साल की उम्र में कर दी जाती है। वाडिया गांव अहमदाबाद से करीब 200 किलोमीटर दूर है। यहां करीब 750 लोग रहते हैं। न्यूज एजेंसी

बदलाव की कोशिश पितृसत्तात्मक व्यवस्था के बीच हो रही है। कई परिवारों के लिए बाल सगाई ही बेटियों को इस धंधे से दूर रखने का एकमात्र रास्ता है। गांव की 19 साल की एक लड़की इस संघर्ष की मिसाल है। उसकी मां और दादी दोनों देह व्यापार में थीं। वह दूर के कॉलेज में नर्स बनने की पढ़ाई कर रही है। उसकी शादी हो चुकी है।



पीठीआई की रिपोर्ट के मुताबिक पीढ़ियों से इस पारंपरिक घुमंतू समुदाय की महिलाओं को देह व्यापार में धकेला जाता रहा है। गांव के पुरुष दलालों की तरह ग्राहकों की तलाश करते हैं। वे हर सुबह पालनपुर-थराद हाईवे पर जाकर ट्रक ड्राइवर्स, राहगीरों और आसपास के गांवों-शहरों के पुरुषों से संपर्क करते हैं। गांव वालों का कहना है कि सगाई या शादी हो जाने के बाद लड़कियों को देह व्यापार में नहीं धकेला जाता। कम उम्र की सगाई को वे बेटियों को गांव से बाहर सम्मानजनक जिंदगी देने का रास्ता मानते हैं। देह व्यापार से बचने के लिए सगाई-भारत में बाल विवाह पर रोक है। इसके बावजूद वाडिया में कम उम्र की सगाई को लड़कियों को देह व्यापार से बचाने का उपाय माना जाता है। गांव की कई लड़कियों की शादी परिवार पहले ही तय कर देते हैं। ऐसा इसलिए किया जाता है, ताकि वे अपनी मां और दादी की तरह देह व्यापार में न जाएं। वाडिया में

उसके लिए दूल्हा 11 साल की उम्र में तय कर दिया गया था। उसने पीठीआई को पहचान जाहिर नहीं करने की शर्त पर बताया, 'मैंने देखा कि मेरे पिता और चाचा मेरी मां और दादी के लिए ग्राहकों को लाते थे।' उसने कहा, 'जब वे ग्राहकों की जरूरत पूरी करने की स्थिति में नहीं रही, तब यह सिलसिला बंद हुआ। मेरी मां ने बताया कि उन्हें जबरन इसमें नहीं धकेला गया था।' उसके मुताबिक, गरीबी के कारण गांव में सब इसे सामान्य मानते थे। उसकी मां को यह भी पक्का पता नहीं था कि उसके जैविक पिता कौन हैं।लड़की ने कहा, 'मेरी मां ने तय किया कि वह मुझे इस धंधे में नहीं जाने देंगी। 11 साल की उम्र में सामूहिक समारोह में मेरी सगाई हुई और 18 साल में शादी।' वह ऐसी अकेली लड़की नहीं है। गांव में निगरानी और नियन्त्रण-समाजसेवियों और कुछ परिवारों की मदद से आसपास के गांवों या रिश्तेदारों के परिवारों में लड़कियों की औपचारिक सगाई कराई जाती

है। इन लड़कियों की उम्र 7 से 12 साल तक होती है। गांव वालों ने आपसी सहमति से एक अनलिखा नियम बनाया है। सगाई या शादी हो चुकी लड़कियों को देह व्यापार में नहीं धकेला जाता। गांव में आने वाले लोगों पर भी नजर रखी जाती है। हाल ही में गर्म दोपहर में खाट पर बैठे कुछ पुरुष हर नए व्यक्ति से उसके आने की वजह पूछ रहे थे। रंग-बिरंगे घाघरा-चोली पहने कुछ महिलाएं गांव के बाहर थीं। इनमें सगाईशुदा, शादीशुदा और देह व्यापार छोड़ चुकीं बुजुर्ग महिलाएं शामिल थीं। एक ग्रामीण के मुताबिक, देह व्यापार में शामिल महिलाएं ज्यादातर घरों के अंदर रहती हैं। परिवार के पुरुष या दलाल उनके लिए ग्राहक तलाशते हैं। गांव की करीब 750 लोगों की आबादी में लगभग 350 महिलाएं हैं। पितृत्व की पहचान को लेकर लगे कलंक के कारण वाडिया की महिलाएं पीढ़ियों तक अविवाहित रहें। कम उम्र में सगाई से बेटियों को बचाने की कोशिश-चंद्रा सरानिया ने बताया कि जब वह अपनी बेटी की शादी करना चाहती थीं, तो लोगों ने उन्हें इसे लड़कियों की किस्मत मानने को कहा। उन्होंने कहा, 'मुझे से कहा गया कि विद्रोह मत करो और यहां की लड़कियों को देह व्यापार में धकेला गया था। अब वह छोटी डेयरी चलाती हैं। सरकार ने 1963 में उनके परिवार को खेती की जमीन दी थी। लेकिन गांव में सिंचाई की सुविधा नहीं थी। इसी वजह से उन्हें देह व्यापार में जाना पड़ा। चंद्रा ने देह व्यापार से हुई कमाई से तीन बच्चों का पालन-पोषण किया। इनमें दो बेटे और एक बेटी है। वह नहीं चाहती थीं कि उनके अतीत का असर उनके बच्चों के भविष्य पर पड़े।

ऑस्कर के लिए ‘धुरंधर’ भारत की एंट्री क्यों नहीं बनी? ज्यूरी मंबर विवेक बोले- फिल्म में भारत का कल्चर दिखाना चाहिए था

मुंबई। मराठी थ्रिलर फिल्म ‘गोंधल’ को 99वें अकादमी अवॉर्ड्स के लिए भारत की



2025 के IFFI में बेस्ट डायरेक्टर का सिल्वर पीकोंक अवॉर्ड मिल चुका है। 2 घंटे की यह फिल्म ग्रामीण महाराष्ट्र की लोक परंपरा और धार्मिक 3-1-1 ष्टाना ‘गोंधल’ पर आधारित है। वास्तविकता में नवविवाहित आनंद और सुमन के घर होने वाले गोंधल अनुष्ठान के इर्द-गिर्द घूमती है।

आधिकारिक एंट्री चुना गया है। फिल्म ने रणवीर सिंह की फिल्म ‘धुरंधर’ को पीछे छोड़ा। भारत की ऑस्कर एंट्री चुनने वाली फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया (एफएफआई) की 14 सदस्यीय ज्यूरी में ‘धुरंधर’ को सिर्फ 4 वोट मिले। ज्यूरी सदस्य विवेक वासवानी ने यह जानकारी दी। एनडीटीवी से बातचीत में वासवानी ने कहा कि कुछ लोगों को फिल्म पसंद आई, लेकिन ज्यूरी को यह ऑस्कर के लायक नहीं लगी। ज्यूरी ऐसी फिल्म चुनना चाहती थी, जो भारतीय संस्कृति को अलग और असद्वार तरीके से दिखाए। रणवीर सिंह ने ‘धुरंधर’ सीरीज में मुख्य भूमिका निभाई थी। इसका निर्देशन आदित्य धर ने किया था। फिल्म के दोनों ही पार्ट ब्लॉकबस्टर साबित हुए। 14 सदस्यीय ज्यूरी ने किया फैसला- फिल्म वेड चयनन वेड लिए एफएफआई ने ज्यूरी बनाई थी। इसमें पी शेषाद्री, विजय पाटकर, हितू कर्नोडिया, शांति कुमार, संदीप पराशर, संजय पाटिल, साबू जोसेफ, नरसिम्हा नंदी, अनिल थॉमस, विवेक वासवानी, बिजॉन दासगुप्ता, हासन, वासन और तनिष्का चटर्जी शामिल थीं। 33 फिल्मों में से चुनी गई ‘गोंधल’-मराठी फिल्म ‘गोंधल’ को 99वें एकेडमी अवॉर्ड्स यानी ऑस्कर 2027 के लिए भारत की ऑफिशियल एंट्री चुना गया है। वासवानी ने बताया कि ऑस्कर के लिए फिल्म चुनते समय ज्यूरी



को साफ निर्देश दिए गए थे। फिल्म में भारतीय संस्कृति और परंपरा इस तरह दिखनी चाहिए, जिससे उसे दुनियाभर के दर्शक भी समझ और पसंद कर सकें। उन्होंने कहा कि ‘गोंधल’ इस मामले में अलग थी। फिल्म की कहानी महाराष्ट्र के एक गांव में एक रात के दौरान होने वाली घटनाओं पर आधारित है। इसमें सस्पेंस और मर्डर की कहानी के साथ पूरी रात चलने वाला गोंधल उत्सव भी दिखाया गया है। इस दौरान संगीत और डांस कहानी का हिस्सा बने रहते हैं। वासवानी का हिस्साबिक, फिल्म में भारतीय संस्कृति और सस्पेंस का यह मेल उसे खास बनाता है। उन्होंने फिल्म के संगीत का भी जिक्र किया। इसमें संगीतकार इलैयाराजा ने संगीत दिया है। इस बार फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया (एफएफआई) के पास अलग-अलग भाषाओं की कुल 33 फिल्में भेजी गई थीं। इनमें 14 हिंदी, 4-4 मराठी, तेलुगु और गुजराती, 3 तमिल और 1-1 मलयालम व नागामी फिल्म शामिल थीं। फाइनल में ‘गोंधल’, ‘आंध’ और ‘मैं वापस आऊंगा’ पहुंची थीं। इनमें से ‘गोंधल’ को चुना गया। बता दें कि ‘आंध’ को 14 में से 11 वोट मिले, वहीं ‘गोंधल’ को सभी 14 सदस्यों के वोट मिले। साइकोलॉजिकल थ्रिलर है ‘गोंधल’-फिल्म का ‘गोंधल’ लेखन और निर्देशन संतोष डावखर ने किया है। इसमें किशोर कदम, इशिता देशमुख, योगेश सोहणी, निषाद भोंईर और सुरेश विश्वकर्मा मुख्य भूमिका में हैं। संगीत इलैयाराजा ने दिया है। निर्देशक संतोष डावखर को

गांव वेड पाटिल का बेटा सरजेराव, जो सुमन से शादी न हो पाने के कारण नाराज था, इस शादी को स्वीकार नहीं कर पाता और धीरे-धीरे यह पवित्र अनुष्ठान एक क्राइम और सस्पेंस ड्रामा में बदल जाता है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस बोले- ‘ये गर्व का पल-मराठी फिल्म गोंधल के ऑस्कर में भेजे जाने पर महाराष्ट्र मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इसे गर्व का पल कहा है। उन्होंने लिखा, ‘मराठी सिनेमा के लिए गर्व का पल। निर्देशक संतोष डावखर की मराठी फिल्म ‘गोंधल’ को ऑस्कर 2027 के लिए भारत की आधिकारिक एंट्री के तौर पर चुना गया है। महाराष्ट्र की समृद्ध लोक परंपराओं और संस्कृति से जुड़ी यह फिल्म अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करेगी। ‘गोंधल’ की पूरी टीम को हार्दिक बधाई। महाराष्ट्र की मिट्टी से जुड़ी यह कहानी वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचे, हमारी ओर से पूरी टीम को ढेरी शुभकामनाएं।’ ‘गोंधल’ के लिए महाराष्ट्र सरकार से मदद की अपील-इंडियन फिल्म एंड टेलीविजन डायरेक्टर्स एसोसिएशन (आईएफटीडीए) ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से फिल्म ‘गोंधल’ के ऑस्कर कैंपेन के लिए आर्थिक और संस्थागत मदद की अपील की है। एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक पंडित ने कहा कि ‘गोंधल’ का भारत की आधिकारिक

कटरीना की ट्रोलिंग के बाद भड़के सलमान:बोले- मुझे भी कहा गया- बूढ़ा हो गया ,कहानी कटरीना की

मुंबई। मुंबई। सलमान ने कहा कि सोशल मीडिया आज एक बड़ा प्रोफेशन बन चुका है। गेमिंग, कंटेंट क्रिएशन, वीडियो एडिटिंग और सोशल मीडिया के दूसरे कामों के जरिए बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार और पहचान मिल रही है, लेकिन इसी प्लेटफॉर्म का एक दूसरा पहलू ट्रोलिंग



भी है। महिलाओं की बाँझी पर कमेंट करने वालों को भी जवाब-सलमान ने महिलाओं के शरीर को लेकर होने वाली ऑनलाइन टिप्पणियों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जब कोई महिला मां बनती है तो प्रेग्नेसी के दौरान वजन बढ़ना स्वाभाविक है। उन्होंने सवाल किया कि किसी महिला के मां बनने के बाद उसके शरीर में आए बदलावों को लेकर लोग उसे क्यों ट्रोल करते हैं? सलमान ने कहा कि जब वह महिला दोबारा काम पर लौटेंगी तो वह अपनी फिटनेस पर भी ध्यान दे सकती है, लेकिन यह उसका निजी फैसला है कि वह अपने परिवार के साथ कितना समय बिताना चाहती है और अपने शरीर के साथ क्या करना चाहती है।साल 2000 के आसपास की बात है। करीब 18 साल की कटरीना कैफ को अनुराग बासु के निर्देशन में बन रही फिल्म साया मिली, जिसमें जॉन अब्राहम लीड रोल में थे। ये उनकी पहली बतौर लीड बॉलीवुड फिल्म होती। एक रात उन्हें शूटिंग पर बुलाया गया। न डायलॉग था, न एक्सप्रेशन, बस डमी पॉसिंग शॉट देना था। अगले दिन फिर उन्हें बुलाया गया, एक सीन शूट किया गया और तुरंत पैकअप हो गया। कुछ देर बाद वहां मौजूद प्रोड्यूसर महेश भट्ट ने कहा कि इस लड़की को फिल्म से हटा दो। टीम ने जब ये बात उन्हें बताई, वो रो पड़ीं। वो बिलखते हुए सेट से निकलीं। उन्हें लगा कि उनका करियर यहीं खत्म हो गया और वे कभी एक्टिंग नहीं कर पाएंगी। कटरीना के लिए ये रिजेक्शन झेलना मुश्किल था। हॉनाकॉन्ग में जन्मी कटरीना ने महज 14 की उम्र से मॉडलिंग करना शुरू किया। एक एशियन दोस्त के कहने पर वो भारत घूमने आईं, जहां उन्हें बी-ग्रेड फिल्म बूम (2003) में काम मिल गया। इस फिल्म के बाद उन्हें कई ऑफर मिले थे, जिसके बाद उन्होंने बॉलीवुड एक्ट्रेस बनने का सपना देखा था। सेट से भगाए जाने के बाद शाम को सलमान खान मिले, तो कटरीना उनके सामने भी रो पड़ीं। ये देखकर सलमान हंसने लगे। कटरीना चिढ़कर बोलीं- मुझे मेरी पहली फिल्म से निकाला गया, मेरी जिंदगी खत्म हो गई और तुम हंस रहे हो। सलमान ने जोर से हंसते हुए कहा- इससे कुछ नहीं होगा, मैं जानता हूँ कि तुम बहुत आगे जाने वाली हो। ये सब होगा, मेरे पास अभी जवाब नहीं है, लेकिन तुम देखोगी कि तुम कितना आगे जाओगी। उस रोज सलमान की कही हुई बात वाकई सच हुई। जिस फिल्म साया से कटरीना को निकाला गया वो फ्लॉप हो गई और 2005 में कटरीना की एक नहीं बल्कि दो बड़ी फिल्में रिलीज हुईं। पहली थी अमिताभ बच्चन, अभिषेक की फिल्म ‘सरकार’ और दूसरी थी सलमान खान के साथ आई फिल्म ‘मैंने प्यार क्यों किया’। इस फिल्म में खूबसूरती और चार्म से कटरीना देशभर में पॉपुलर हो गईं। गाने भी ब्लॉकबस्टर रहे। आगे कटरीना ने वेलकम, नमस्ते लंदन, एक था टाइगर जैसी हिट पर हिट देते हुए खुद को टॉप एक्ट्रेस से में शुमार किया। गुरुवार को कटरीना कैफ 43 साल की हो चुकी हैं। उनके जन्मदिन के खास मौके पर जानिए, उनकी जिंदगी की इंटरस्टिंग कहानी- भारत घूमने आई थीं, खूबसूरती की बदौलत मिल गई बी-ग्रेड फिल्म-16 जुलाई 1983 में कटरीना कैफ का जन्म हॉनाकॉन्ग में हुआ। वो एक भाई और 6 बहनों में मंझली थीं। मां सुजैन विदेशी थीं और पिता कश्मीरी। कटरीना का उम्र कम थीं, जब पिता ने मां और 7 बच्चों को छोड़ दिया। गुजारे के लिए मां कभी चीन गईं, तो कभी जापान। कभी बोट से बच्चों को फ्रांस ले गईं, तो कभी स्विटजरलैंड, पोलैंड, बेल्जियम, हवाई और लंदन। गुजारे के लिए

बार-बार शहर बदलने के चलते उनकी स्कूलिंग ठीक तरह नहीं हो सकी। घर में कुछ ट्यूटर आते, जो सारे भाई-बहनों को साथ पढ़ाते थे। कटरीना महज 14 साल की थीं, जब वह एक ब्यूटी कॉन्टेस्ट की विनर

आगे बढ़ाए, सलमान उनके सामने शर्टलेस खड़े थे, जो उन्हें देखते ही हड़बड़ाहट में छिपते हुए कमरे में वापस जाने को हुए, कटरीना ये देखकर हंस पड़ीं। नितिन कक्कड़ को दिए इंटरव्यू में सलमान ने बताया था कि

बर्नो, जिसके बाद उन्हें लगातार जुलरी एड और मॉडलिंग के ऑफर मिलने लगे। हुनर की बदौलत वो लंदन फैशन वीक की मॉडल बर्नी। यहीं उनकी मुलाकात एक एशियन लड़की से हुई, जो उन्हीं के साथ मॉडलिंग करती थीं। उस लड़की ने एक रोज कटरीना से कहा कि उन्हें कभी भारत घूमने आना चाहिए। कटरीना ने फुर्सत मिलते ही भारत की टिकट बुक करवा ली। एक रोज वो अपनी दोस्त के साथ एक फैशन शो देखने पहुंचीं। यहां उन पर लंदन के फिल्ममेकर कैजाद गुस्ताद की नजर पड़ गई। कैजाद ने उन्हें हिंदी-इंग्लिश फिल्म बूम ऑफर कर दी। ये एक बी-ग्रेड फिल्म थी, जिसमें अमिताभ बच्चन, गुलशन ग्रोवर, जैकी श्रॉफ जैसे बड़े चेहरे थे। इस फिल्म के प्रोड्यूसर जैकी श्रॉफ और उनकी पत्नी आशा थे, जिन्होंने इसमें सारी कामपंजी लगा दी थी और काफी कर्ज भी लिया था। 2 घंटे के साथ गुलशन ग्रोवर के साथ किसिंग सीन प्रैक्टिस किया- फिल्म में कटरीना को एक ऐसी मॉडल का किरदार मिला, जो डायमंड स्मगलिंग में फंसती हैं। फिल्म के एक सीन के लिए कटरीना कैफ को गुलशन ग्रोवर के साथ बोल्ड किसिंग सीन देना था, वो भी अमिताभ बच्चन की मौजूदगी में। डायरेक्टर कैजाद ने गुलशन को सुझाव दिया कि उन्हें फाइनल शॉट से पहले प्रैक्टिस कर लेनी चाहिए। कटरीना नई थीं, ऐसे सारे पैसे डूब गए। कर्जदारों की रकम चुकाने के लिए जैकी श्रॉफ ने पहले फर्नीचर, कार बेची और आखिर में उनका घर भी बिक गया। फिल्म फ्लॉप रही और कटरीना के ब्रिटिश एक्सेंट की भी जमकर आलोचना हुई, इसके बावजूद उन्हें कई फिल्मों के ऑफर मिलने लगे। इसी समय उन्होंने डिजाइनर रोहित बल समेत कई बड़े डिजाइनर्स के लिए रैंप पर कैटवॉक की। सलमान की बहन से हुई दोस्ती, जिनकी बदौलत खान परिवार की करीबी बर्नी- करियर की शुरुआत में कटरीना कैफ की मुलाकात स्टेप क्लास में अलवीरा से हुई, दोनों साथ वर्कआउट करते थे। कटरीना वर्कआउट के समय भी पीनट बटर और ब्रेड खाती थीं, जो अलविरा को

उस दिन मेहमानों के आने से पहले उन्होंने वर्कआउट किया और फिर नहाने चले गए। उन्हें लगा मेहमानों के आने में समय है, तो वो शर्टलेस ही लिविंग रूम में आ गए, वो इस बात से अनजान थे कि अलवीरा अपनी दोस्त को घर ला रही हैं। इस अटपटी पहली मुलाकात के बाद कटरीना अक्सर, अलवीरा के साथ घर जाया करती थीं, जहां उनकी सलमान से दोस्ती हो गई। इसी समय महेश भट्ट ने फिल्म साया के लिए कटरीना का ऑडिशन लिया था, तब उन्हें कटरीना पसंद आई थीं, हालांकि बाद में कटरीना को फिल्म से निकाल दिया गया। बॉलीवुड करियर न चलने के बीच ही कटरीना को साउथ फिल्म मल्लिसवरी (2004) में वेंकटेश के साथ काम मिल गया। फिल्म के लिए कटरीना को 75 लाख रुपए फीस मिली थी। ये सौथ एक्ट्रेस के मुकाबले उस दौर की सबसे ज्यादा फीस थी। ये फिल्म हिट रही और कटरीना को लगातार साउथ से बड़े ऑफर मिलने लगे। कटरीना ने एक इंटरव्यू में बताया कि उन्हें टॉप साउथ एक्टर्स जितनी फीस ऑफर होती थी, लेकिन कटरीना का फोकस बॉलीवुड में था। शूटिंग के बीच कोरियोग्राफर ने की बेइज्जती-इस साउथ फिल्म के एक गाने की शूटिंग आउटडोर हुई थी। कटरीना उस समय नई थीं और इंडियन डांस से पूरी तरह अनजान थीं। डांस न आने पर उन्हें बार-बार रीटेक करना पड़ रहा था। इस बात से कोरियोग्राफर चिढ़ गई। उसने माइक पर तेज आवाज में कहा- ये लड़की पूरी जीरो है। ये डांस भी नहीं कर सकती। कटरीना काफी चिराश हुईं और मन में सोचा- ये इतनी तेज बोल रही है, जिससे मैं इसे सुन लूँ, इसका मतलब ये है कि वो चाहती हैं मैं इसे सुनूँ। कटरीना ने उस कोरियोग्राफर से कुछ नहीं कहा, लेकिन अपनी डांस स्किल्स पर काम करना शुरू कर दिया। आज कटरीना शीला की जवानी, चिकनी चमेली, अफगान जलेबी, इश्क परचम जैसे गाने देख कर बॉलीवुड की सबसे बेस्ट डांसर कही जाती हैं। सलमान की बदौलत मिला बड़ा ब्रेक- साउथ डेब्यू के बाद सलमान ने कटरीना के कुछ ऑडिशन विडियो, और प्रोजेक्ट्स भी देखे थे। कुछ समय बाद सलमान खान को सुभित्ता सैन के साथ डेविड धवन की फिल्म मैंने प्यार क्यों किया मिली। इस फिल्म के लिए डेविड धवन एक सुसाइडल मॉडल के रोल के लिए नए चेहरे की



काफी अटपटा लगता था। इसी टॉपिक पर दोनों की बात शुरू हुई और समय के साथ दोनों की दोस्ती मजबूत होने लगी। एक रोज अलवीरा ने कटरीना से कहा कि वो उनके भाई सलमान खान की बर्थडे पार्टी में साथ चलो। इस पार्टी में चंद लोग हैं। पहुंचने वाले थे। कटरीना मान गईं और शाम को गैलेक्सी अपार्टमेंट पहुंचीं। जैसे ही कटरीना ने कदम

तलाश में थे, तभी सलमान ने उन्हें कटरीना के नाम का सुझाव दिया। डेविड ने कटरीना का स्क्रीनटेस्ट लिया और काम पसंद आने पर उन्हें कास्ट कर लिया। ठीक इसी समय कटरीना को अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन के साथ फिल्म सरकार में काम मिला। कटरीना ने एक साथ दोनों फिल्में शूट कीं। दोनों फिल्में जुलाई 2005 में रिलीज हुईं।

सरकार में कम स्क्रीनटाइम के बावजूद कटरीना को जी सिने अवॉर्ड मोस्ट प्रोमिसिंग डेब्यू का नॉमिनेशन मिला, जबकि मैंने प्यार क्यों किया के लिए उन्हें बेस्ट ब्रेकथ्रो परफॉर्मेंस के लिए स्टारडस्ट अवॉर्ड मिला। अक्षय की फिल्म का सेट छोड़कर भागीं, खूब रोई- आगे कटरीना कैफ को अक्षय कुमार के साथ फिल्म हमको दीवाना कर गए में साइन किया गया। ये बतौर लीड एक्ट्रेस कटरीना की पहली बड़ी फिल्म होने वाली थी। इससे पहले उनकी सभी फिल्मों में छोटे-मोटे रोल ही थे। इस फिल्म की शूटिंग फिलिप्पिन्स स्टूडियो में हुई। शिफ्ट लंबी चलने वाली थी, लेकिन पहले ही दिन 3 घंटे शूट करने के बाद कटरीना कैफ रो पड़ीं। कुछ देर बाद कटरीना बिना कुछ कहे सेट से निकल गईं। उन्होंने डिजाइनर को कॉल कर कहा, क्या इस तरह यहां काम होता है। इतने घंटे काम करवाया जाता है। मैं बहुत थक चुकी हूं। मैं ऐसे काम नहीं कर सकती। क्या कोई और काम ढूंढ सकते हो। डिजाइनर ने इनकार कर दिया। शाम को कटरीना ने दोस्तों से यही कहा- मुझे अक्षय से डर लगता है, मैं ऐसे काम नहीं कर सकती। हालांकि, दोस्तों के समझाने पर कटरीना मान गईं और फिल्म पूरी की। ये फिल्म हिट

दरगाह पहुंचीं। खबर ये भी रही कि सलमान कटरीना के लिए बेहद पजेसिव हैं। एक था टाइगर के सेट पर सलमान ने मारा- पर्सनल लाइफ की चर्चा के बीच कटरीना ने वेलकम, सिंह इज किंग, न्यूयॉर्क, दे दना दन जैसी बेहतरीन फिल्में देते हुए टॉप एक्ट्रेस से नाम बना लिया था। इसी समय उन्हें रणबीर कपूर के साथ फिल्म अजब प्रेम की गजब कहानी मिली। साथ काम करते हुए कटरीना और रणबीर के लिंक अप की खबरें आने लगीं। इसी समय कटरीना ने सलमान खान के साथ एक था टाइगर शूट की। शूटिंग के बीच सिनेब्लिट्स मंगजीन की रिपोर्ट में दावा किया गया कि एक था टाइगर फिल्म के सेट पर कटरीना को छोटे कपड़े पहने देख सलमान इस कदर नाराज हुए कि उन्होंने सरेआम कटरीना पर हाथ उठा दिया। खबर चर्चा में रही। कुछ समय बाद सलमान ने भी इस पर सफाई दी। आप की अदालत में सलमान ने कहा, कटरीना ने छोटे कपड़े नहीं पहने थे, लेकिन कपड़े की फिटिंग ठीक नहीं थी। इसलिए मैंने उन्हें कपड़े बदलने के लिए कहा। हम फिल्म का आखिरी गाना माशाल्लाह शूट कर रहे थे और उसमें छोटे कपड़े पहनने की जरूरत भी नहीं थी। सलमान ने हाथ उठाने के दावे से

विद करण’ पर कटरीना से सवाल पूछा था कि वो आगे किसके साथ काम करना पसंद करेंगी, तब उसके जवाब में कटरीना ने विक्की का नाम लिया था। ये बात करण ने जब विक्की को बताई तो वो इसे सुन कर दिल पर हाथ रखकर ‘बेहोश’ होने लगे। फिर विक्की ने कटरीना को साल 2019 में स्टार स्क्रीन अवॉर्ड के दौरान सरेआम शादी का प्रस्ताव दिया था। विक्की ने कहा था कि मैं आपका बहुत बड़ा फैन हूँ, शादियों का मौसम चल रहा है आप भी एक विक्की कौशल को ढूंढकर उससे शादी क्यों नहीं कर लेतीं। उसके बाद कटरीना से विक्की ने सीधे पूछ लिया कि मुझसे शादी करोगी। इस पर एक्ट्रेस ने कहा- हिम्मत नहीं है। हैरानी की बात तो ये थी कि ये सब सलमान खान की मौजूदगी में हो रहा था, जहां उनके एक्सप्रेशन देखने लायक थे। इस वक्त तो सभी ने इसे अवॉर्ड नाइट में एक्टर और होस्ट के बीच का मस्ती-मजाक समझकर नजरंदाज कर दिया, लेकिन फिर जल्द ही दोनों कई मौकों पर साथ नजर आने लगे। साल 2019 के आईफा अवॉर्ड, जी सिने अवॉर्ड फंक्शन में भी दोनों साथ ही पहुंचे थे और साथ बैठे थे। कई बार विक्की को कटरीना के घर में भी स्पॉट



रही और कटरीना के साथ अक्षय की जोड़ी काफी पसंद की गई। जब फ्लॉप के डर से भारत छोड़कर जाना चाहती थीं कटरीना- हमको दीवाना कर गए के बाद कटरीना को अक्षय कुमार के साथ नमस्ते लंदन में कास्ट किया गया। फिल्म बनकर तैयार हुई तो फिल्मी गलियारों में चर्चा होने लगी कि ये फिल्म बुरी तरह फ्लॉप हो जाएगी। इसी बीच डायरेक्टर विपुल शाह ने कटरीना को फिल्म देखने बुलाया। फिल्म दिखाने के बाद विपुल शाह ने उनसे पूछा कि फिल्म कैसी लगी। कटरीना और रणबीर के सीक्रेट हॉलिडे की प्राइवेट तस्वीरें स्टारडस्ट मंगजीन में छपीं। वो तस्वीरें बीच में सीक्रेटली ली गई थीं। तस्वीरें पब्लिश होने पर कटरीना भड़क गईं और उन्होंने इसे ग्रीव ऑफ प्राइवैसी कहा। हालांकि तस्वीरों से उनके सीक्रेट रिलेशनशिप पर मुहर लगा गई। जल्द ही कटरीना और रणबीर लिव-इन में रहने लगे। दोनों की शादी की खबरें तब तेज हुईं, जब रणबीर के साथ कॉफी विद करण में पहुंचीं करीना ने कटरीना को भाभी कहा। शादी की खबरों के बीच 2016 में कटरीना-रणबीर का ब्रेकअप हो गया। पूर्व जर्नलिस्ट पूजा सामंत ने एक इंटरव्यू में बताया कि ब्रेकअप के बाद कटरीना बुरी तरह टूट गई थीं। वो शादी करना चाहती थीं, लेकिन रणबीर तैयार नहीं थे। ब्रेकअप के कुछ दिनों बाद पूजा जब कटरीना का इंटरव्यू लेने यशराज स्टूडियो पहुंचीं, तो वहां कटरीना काफी रो रही थीं। वो रोते हुए कह रही थीं, मैंने गलती की, मैं उससे प्यार करती थी, उसकी वजह से मैंने अपना करियर बर्बाद कर लिया। ब्रेकअप के बीच ही कटरीना ने रणबीर के साथ जग्गा जासूस में काम किया, ये फिल्म बुरी तरह फ्लॉप रही। रणबीर की मां नैतू सिंह ने कसा था तंज- कटरीना से ब्रेकअप के कुछ समय बाद रणबीर की मां नैतू सिंह की एक पोस्ट पर विवाद हो गया। उन्होंने पोस्ट पर लिखा था- सिर्फ इसलिये कि उसने तुम्हें 7 साल डेट किया, इसका मतलब ये नहीं कि वो तुमसे शादी करना। मेरे अंकल ने 6 साल मेडिसिन की पढ़ाई की वो अब डीजे हैं। इसके जवाब में कटरीना की मां ने पोस्ट शेयर कर कहा और लिखा, ‘मुझे बचपन से यही सिखाया गया कि सफाईकर्मी के साथ भी उतने ही सम्मान से पेश आओ, जितने सम्मान से किसी कंपनी के सीईओ को दिया जाता है।’ विक्की कौशल में मिला हमसफर, जानिए कैसी है लव स्टोरी-विक्की और कटरीना की जोड़ी बनवाने में करण जोहर की काफी अहम भूमिका है। जब करण ने अपने टॉक शो ‘कॉफी

इनकार नहीं किया, बल्कि कहा कि कभी-कभी पीआर टीम ही पब्लिसिटी के लिए ऐसी खबरें फैला देती हैं। जब 2013 में धूम रिलीज हुई तो आमिर ने को-स्टार कटरीना के लिए कहा कि वो सलमान-कटरीना की शादी होते देखना चाहते हैं। दूसरी तरफ कटरीना-रणबीर के रिश्ते की चर्चाएं बढ़ रही थीं। दोनों ने कभी इस पर न कन्फर्मेशन दी, न इसका खंडन किया। रणबीर के साथ प्राइवेट फोटो हुई लीक-अगस्त 2013 में कटरीना और रणबीर के सीक्रेट हॉलिडे की प्राइवेट तस्वीरें स्टारडस्ट मंगजीन में छपीं। वो तस्वीरें बीच में सीक्रेटली ली गई थीं। तस्वीरें पब्लिश होने पर कटरीना भड़क गईं और उन्होंने इसे ग्रीव ऑफ प्राइवैसी कहा। हालांकि तस्वीरों से उनके सीक्रेट रिलेशनशिप पर मुहर लगा गई। जल्द ही कटरीना और रणबीर लिव-इन में रहने लगे। दोनों की शादी की खबरें तब तेज हुईं, जब रणबीर के साथ कॉफी विद करण में पहुंचीं करीना ने कटरीना को भाभी कहा। शादी की खबरों के बीच 2016 में कटरीना-रणबीर का ब्रेकअप हो गया। पूर्व जर्नलिस्ट पूजा सामंत ने एक इंटरव्यू में बताया कि ब्रेकअप के बाद कटरीना बुरी तरह टूट गई थीं। वो शादी करना चाहती थीं, लेकिन रणबीर तैयार नहीं थे। ब्रेकअप के कुछ दिनों बाद पूजा जब कटरीना का इंटरव्यू लेने यशराज स्टूडियो पहुंचीं, तो वहां कटरीना काफी रो रही थीं। वो रोते हुए कह रही थीं, मैंने गलती की, मैं उससे प्यार करती थी, उसकी वजह से मैंने अपना करियर बर्बाद कर लिया। ब्रेकअप के बीच ही कटरीना ने रणबीर के साथ जग्गा जासूस में काम किया, ये फिल्म बुरी तरह फ्लॉप रही। रणबीर की मां नैतू सिंह ने कसा था तंज- कटरीना से ब्रेकअप के कुछ समय बाद रणबीर की मां नैतू सिंह की एक पोस्ट पर विवाद हो गया। उन्होंने पोस्ट पर लिखा था- सिर्फ इसलिये कि उसने तुम्हें 7 साल डेट किया, इसका मतलब ये नहीं कि वो तुमसे शादी करना। मेरे अंकल ने 6 साल मेडिसिन की पढ़ाई की वो अब डीजे हैं। इसके जवाब में कटरीना की मां ने पोस्ट शेयर कर कहा और लिखा, ‘मुझे बचपन से यही सिखाया गया कि सफाईकर्मी के साथ भी उतने ही सम्मान से पेश आओ, जितने सम्मान से किसी कंपनी के सीईओ को दिया जाता है।’ विक्की कौशल में मिला हमसफर, जानिए कैसी है लव स्टोरी-विक्की और कटरीना की जोड़ी बनवाने में करण जोहर की काफी अहम भूमिका है। जब करण ने अपने टॉक शो ‘कॉफी

किया गया। जल्द ही एक ही हुडी पहनने और एक ही बैकग्राउंड की तस्वीरें पोस्ट करते हुए दोनों के अफेयर की चर्चाएं बढ़ने लगीं। एक फोटो से खुला रिलेशनशिप का राज-कटरीना ने सोशल मीडिया अकाउंट से एक तस्वीर पोस्ट की थी, जिसमें वो पीली टी-शर्ट पहने एक शख्स को गले लगाए दिखीं। तस्वीर इतनी कॉप थी कि सिर्फ टी-शर्ट का जेब ही दिख रहा था।

कुछ समय बाद विक्की ने वही पीली टी-शर्ट पहने हुए तस्वीर पोस्ट की, लेकिन तब कटरीना ने अपनी फोटो डिलीट कर दी। तस्वीरें जल्द ही वायरल हो गईं और दोनों का रिश्ता ऑफिशियल हो गया। तभी रिपोर्ट्स आई कि कपल ने डायरेक्टर कबीर खान के घर में रोका कर लिया है। कई अटकलों के बीच विक्की-कटरीना ने 9 दिसंबर 2021 में सवाई माधोपुर के सिक्स सेंस रिसोर्ट में डेस्टिनेशन वेडिंग की, जिसमें चंद करीबी ही शामिल हुए। शादी के 3 साल बाद 7 नवंबर 2025 में कटरीना ने बेटे को जन्म दिया, जिसका नाम विहान रखा गया है। फिलहाल कटरीना और विक्की ने बेटे की तस्वीरें सार्वजनिक नहीं की हैं। कटरीना कैफ आखिरी बार 2024 की फिल्म मैरी क्रिसमस में विजय सेतुपति के साथ नजर आई हैं। इन दिनों कटरीना मदरहुड क्वांजियर कर रही हैं और अपने ब्यूटी ब्रांड पर फोकस कर रही हैं।

स्वत्ताधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यु कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा मो.नं.09415608710 RNI.NO.UPHIN/2015/63398 www.adhuniksamachar.com
नोट:- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न सम्पत्ति विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।